

समय टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 98

मुँरैना, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹



पदोन्नति: कार्यवाहक निरीक्षक से पूर्ण निरीक्षक बने बृजमोहन सिंह रावत सिंह , विभाग में हर्ष की लहर...

पेज : 03

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता : नए आर्थिक युग की शुरुआत, अवसर और चुनौतियाँ

पेज : 04



‘भाजपा गाय को भूल गई, राजभाता का दर्जा दो वरना होगा बड़ा आंदोलन’ – नागाजी महाराज

पेज : 06



माय भारत सघन पंजीयन अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

पेज : 07



- **27,592 रोजगार सृजन की संभावना**
- **निवेश संवाद में हुए 7 महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर**
- **टेक्सटाइल, रक्षा, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा और निर्यात क्षेत्र में निवेश को मिली नई गति**
- **मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए नीति, नीयत, प्रतिभा और सुरक्षा की गारंटी लेकर आगे आया है**
- **नई दिल्ली में इंटरएक्टिव सेशन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए निवेशकों को दिया आमंत्रण**

भोपाल (निज संवाददाता)। मध्यप्रदेश ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2026 तथा ‘इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश’ के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दोनों आयोजनों में प्रदेश को 720,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 27,592 लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों, उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश को देश का उपरता हुआ औद्योगिक एवं टेक्सटाइल हब बताया और उन्हें जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (नवंबर-2027) में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने

मध्यप्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद : दिल्ली के दो बड़े आयोजनों में रू .20,193 करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों को अनुकूल नीतियां, मजबूत अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन और त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों, साझेदारियों और एमओयू के माध्यम से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में अपनी स्थिति और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

भारत टेक्स-2026 में टेक्सटाइल क्षेत्र को मिला बड़ा निवेश भारत मंडयम में आयोजित टेक्सटाइल राउंडटेबल में प्रदेश के वस्त्र एवं परिधान उद्योग, पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क, तकनीकी वस्त्र, निर्यात संवर्धन, कौशल विकास और निवेश प्रोत्साहन पर विस्तृत चर्चा हुई। इस आयोजन में 21,592 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 15,700 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

दिल्ली निवेश संवाद में सात महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एमपीआईडीसी ने निर्यात संवर्धन, ई-कॉमर्स, वैश्विक व्यापार, एमएसएमई और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। साथ ही रक्षा, डेटा सेंटर, आईटी, एआई, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन और खाद्य प्रसंस्करण

सहित अनेक क्षेत्रों में निवेश अवसर प्रस्तुत किए गए।

रक्षा और डेटा सेंटर सहित कई क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव दिल्ली निवेश संवाद में रक्षा, डेटा सेंटर, ट्रांसफॉर्मर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, इंजीनियरिंग और खिलौना उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 218,601 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 11,892 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

इंटरएक्टिव सेशन में उद्योगपतियों से हुये संवाद और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश प्रस्तावों से मध्यप्रदेश को मिली नई गति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने में मध्यप्रदेश पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए नीति, नीयत, प्रतिभा, प्रवृत्ति, सुविधा, सामर्थ्य, ऊर्जा, उसाहा, सेवा और सुरक्षा की गारंटी लेकर आगे आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली स्थित होटल द लीला पैलेस में आयोजित इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए देश-विदेश के निवेशकों को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक राज्यों में शामिल है। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क, सुदृढ़ रेल सर्वर, 8 क्रियाशील एयरपोर्ट, 6 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक कॉरिडोर, ग्रीन कॉरिडोर और आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना उपलब्ध है। उद्योगों के लिए सवा लाख एकड़ से अधिक लैंड बैंक, पर्याप्त बिजली एवं जल की उपलब्धता तथा नए औद्योगिक क्षेत्रों, फूड पार्क, आईटी पार्क, प्लाग एंड प्ले औद्योगिक पार्कों और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं सम्मान के साथ हुआ। इसके बाद सीआईआई दिल्ली स्टेट के चेयरमैन श्री हर्ष वर्धन ने स्वागत उद्बोधन दिया। मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर आधारित एबी फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण और उपलब्ध अवसरों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त प्रमुख सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं तथा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इंदयाराजा टी. ने पर्यटन क्षेत्र में निवेश अवसरों का प्रस्तुतीकरण किया।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी शुक्रवार को देहरादून में छात्रों से करेंगे संवाद, विधायकों के साथ भी बैठक

देहरादून, 16 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को उत्तराखंड के देहरादून दौर पर रहेंगे। इस दौरान वह कांग्रेस विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ बैठक करने के अलावा ‘छात्रों की गुंजा’ कार्यक्रम में छात्रों और युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी दोपहर करीब 3:30 बजे जॉनीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वह होटल ह्याम में पार्टी के विधायकों और पूर्व विधायकों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में उत्तराखंड की राजनीतिक स्थिति, संसदनात्मक मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। इसके बाद राहुल गांधी शाम करीब पांच बजे देहरादून के बनू स्कूल ग्राउंड में आयोजित ‘छात्रों की गुंजा’ कार्यक्रम में भाग लेंगे। कांग्रेस का कहना है कि कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक और युवाओं से जुड़े अन्य मुद्दों पर छात्रों के साथ खुला संवाद किया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोहियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह-प्रभारी सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह व चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ.हर सिंह सहित वरिष्ठ नेता तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोहियाल ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों और युवाओं के मुद्दों को सुनेंगे और उनसे सीधे संवाद करेंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं से जुड़े शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है।

महादेव बेटिंग ऐप मामले में ईडी ने टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से की पूछताछ

नई दिल्ली, 16 जुलाई (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप से जुड़े भ्रंशरोधन मामले में गुरुवार को टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से पूछताछ कर रहा है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। शेफाली बग्गा को खंजन जगदीश कुमार ठक्कर का करीबी सहयोगी माना जाता है, जिस पर भारत में बेटिंग ऐप के संचालन और प्रचार-प्रसार में शामिल होने का आरोप है। जांच एजेंसी को मिले साक्ष्यों से संकेत मिलता है कि शेफाली बग्गा विदेशी, विशेषकर दुबई और लंदन से संचालित बेटिंग प्लेटफॉर्मों के प्रचार में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। ईडी की जांच में कथित रूप से ऐसे डिजिटल साक्ष्य और प्रचार सामग्री सामने आई है, जिनमें शेफाली बग्गा बेटिंग ऐप का प्रचार करती दिखाई देती हैं। आरोप है कि वह केवल प्रचार तक सीमित नहीं थीं, बल्कि खिलाड़ियों को बेटिंग से जुड़े सुझाव और टिप्स भी देती थीं। जांच एजेंसी के मुताबिक, खंजन जगदीश कुमार ठक्कर महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े लेनदेन का प्रमुख हवाला ऑपरेटर है और कथित रूप से पूरे नेटवर्क के वित्तीय संचालन का प्रबंधन करता था। ईडी यह भी जांच कर रही है कि बेटिंग नेटवर्क के प्रचार और अवैध धन के प्रवाह में किन-किन लोगों की भूमिका रही है। सूत्रों का दावा है कि शेफाली बग्गा एक उल्लेख्य चैनल भी संचालित करती हैं, जहां कथित रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े प्रचार और टिप्स साझा किए जाते थे।

डीके शिवकुमार मंत्रिपरिषद का विस्तार जल्द : सुरजेवाला

नई दिल्ली, 16 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक मंत्रिपरिषद का विस्तार जल्द किया जाएगा और विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले इस प्रक्रिया के पूरा होने की उम्मीद है। इस संबंध में पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा हो रही है। सुरजेवाला ने गुरुवार को दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य सिद्धारमेया, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद सहित कई मंत्री और वरिष्ठ नेता दिल्ली पहुंचे हैं। शिवकुमार और सिद्धारमेया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की।

किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही सरकार : सिधिया



अशोक नगर, 16 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिधिया ने गुरुवार को अशोक नगर जिले के बहादुरपुर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कृषि सम्मेलन में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, कृषि विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सिधिया ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त के माध्यम से अशोक नगर जिले के हजारों किसानों के खातों में पश्चि अंतरित कर उन्हें लाभान्वित किया गया है। यह योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार

निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे सिंचाई व्यवस्था बेहतर होगी और किसान अपनी फसल का अधिक उत्पादन लेकर उचित लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने खाद एवं यूरिया वितरण विवरण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जिले में खाद की उपलब्धता पर्याप्त है तथा वितरण में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने गेहूँ, चना एवं मसूर की समर्थन मूल्य पर खरीदी, किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों तथा मृदा स्वास्थ्य परीक्षण (सॉयल हेल्थ कार्ड) की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को जालंधर से संत रविदास एक्सप्रेस को दिखाएंगे हरी झंडी

चंडीगढ़, 16 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर कैट रेलवे स्टेशन से संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। अमृतसर और वाराणसी के बीच चलने वाली यह पहली सीधी वातानुकूलित ट्रेन होगी। रविदासिया समुदाय लंबे समय से इस रेल सेवा की मांग कर रहा था।

प्रधानमंत्री दोपहर 3.40 बजे जालंधर कैट से उद्घाटन ट्रेन को रवाना करेंगे। यह रेल सेवा गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी जाने वाले पंजाब के ब्रजालुओं के लिए विशेष रूप से सुविधाजनक होगी। प्रधानमंत्री ने कुछ महीने पहले डेरा सचखंड बल्लॉ के प्रमुख संत निरंजन दास से भी मुलाकात की थी। संत रविदास एक्सप्रेस में कुल 18 कोच होंगे। इनमें दो एसी धी-टियर, एक एसी टू-टियर, छह द्वितीय श्रेणी सामान्य, सात धी-टियर स्लीपर और दिव्यांग यात्रियों के लिए एक विशेष कोच



बीच बुधवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी तथा अगले दिन वापसी करेगी। करीब 1,048 किलोमीटर की यात्रा के दौरान ट्रेन अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, अंबाला कैट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, मुल्तानपुर, जौनपुर सिटी और वाराणसी सहित 12 स्टेशनों पर रुकेगी। हर वर्ष पंजाब सहित देशभर से लाखों गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर सीर गोवर्धनपुर

पहुंचते हैं। पंजाब के दोआबा क्षेत्र से बड़ी संख्या में रविदासिया ससुदय के ब्रजालु वाराणसी जाते हैं। गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के दौरान अगले वर्ष ब्रजालुओं की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। ब्रजालुओं के ठहरने के लिए विशेष टेंट सिटी बनाने की भी योजना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अभी जम्मू तबी से वाराणसी और उससे आगे के लिए तीन से चार ट्रेनें चलती हैं। फिरोजपुर से बिहार जाने वाली कुछ ट्रेनें भी वाराणसी होकर गुजरती हैं। इसके अलावा अमृतसर से अस्म, कोलकाता और टाटनगर सहित विभिन्न स्थानों के लिए चलने वाली पांच ट्रेनों का वाराणसी में ठहराव है, लेकिन अब तक अमृतसर से वाराणसी तक कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं थी। डेरा सचखंड बल्लॉ के पूर्व महासचिव सतपाल विरदी ने नई ट्रेन सेवा पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे गुरु रविदास जयंती के दौरान ब्रजालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

शामिल होगा। ट्रेन में आरामदायक बर्थ, बायो-बैक्वयम शौचालय, सीसीटीवी निगरानी और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

यह ट्रेन अमृतसर के छेरुटा से वाराणसी के दौन वापसी करेगी। करीब 1,048 किलोमीटर की यात्रा के दौरान ट्रेन अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, अंबाला कैट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, मुल्तानपुर, जौनपुर सिटी और वाराणसी सहित 12 स्टेशनों पर रुकेगी। हर वर्ष पंजाब सहित देशभर से लाखों गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर सीर गोवर्धनपुर पहुंचते हैं। पंजाब के दोआबा क्षेत्र से बड़ी संख्या में रविदासिया ससुदय के ब्रजालु वाराणसी जाते हैं। गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के दौरान अगले वर्ष ब्रजालुओं की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। ब्रजालुओं के ठहरने के लिए विशेष टेंट सिटी बनाने की भी योजना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अभी जम्मू तबी से वाराणसी और उससे आगे के लिए तीन से चार ट्रेनें चलती हैं। फिरोजपुर से बिहार जाने वाली कुछ ट्रेनें भी वाराणसी होकर गुजरती हैं। इसके अलावा अमृतसर से अस्म, कोलकाता और टाटनगर सहित विभिन्न स्थानों के लिए चलने वाली पांच ट्रेनों का वाराणसी में ठहराव है, लेकिन अब तक अमृतसर से वाराणसी तक कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं थी। डेरा सचखंड बल्लॉ के पूर्व महासचिव सतपाल विरदी ने नई ट्रेन सेवा पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे गुरु रविदास जयंती के दौरान ब्रजालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस संसदीय दल की बैठक, चढ़ावा चोरी, पेपर लीक और ई20 जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (हि.स.)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने से पहले बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सोपीपी चैयरपर्सन सोनिया गांधी ने की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित संसदीय दल के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में आगामी सत्र के लिए विश्व के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरेगे ने एक्स पर लिखा कि चढ़ावा चोरी, आस्था के

साथ धोखा, पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली का क्षरण, संस्थागत कब्जा, राजनीतिक दलों को तोड़ना, भ्रष्टाचार के आरोप, महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं, एथेनॉल मिश्रण का दबाव, वनों की अंधाधुंध कटाई और एस्सी, एस्टी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमले जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी मानसून सत्र में मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करेगी। इन गंभीर चिंताओं पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई और पार्टी ने तय किया कि संसद में इन मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम

रमेश और राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा हुई जिन्हें पार्टी संसद में उठाएगी। सरकार जिन विधेयकों को लाने की कोशिश में है, उनसे निपटने की रणनीति पर भी विचार किया गया। जयराम रमेश ने कहा कि बैठक करीब डेढ़ घंटे चली और इसमें परिसीमन विधेयक, संविधान संशोधन विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिनियम विधेयक और एफसीआरए विधेयक पर चर्चा हुई। कांग्रेस इन विधेयकों का पुरजोर विरोध करेगी।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुँरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुँरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेन्द्र सिंह “सीताराम जी ”, मुँरैना, मोबाइल 6261839476 RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुँरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

उप जेल जौरा में लगाया गया एकीकृत स्वास्थ्य शिविर



बढ़ियों की एचआईवी, सिफीलिस, टीबी एवं हेपेटाइटिस बी सी की गई जांचें
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के प्राप्त आदेशानुसार सिविल हॉस्पिटल जोरा द्वारा

जौरा (निज संवाददाता)। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम अंतर्गत विश्व हेपेटाइटिस दिवस के उपलक्ष में उप जेल जौरा में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जेल के सहायक अधीक्षक श्री बी एल माहौर विशेष रूप से मौजूद रहे इनके अलावा सिविल

हॉस्पिटल जोरा आई सी टी सी से परामर्शदाता सदीप सेंगर, वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक रणवीर गोयल,लेव टेक्नीशियन अनिल सिंह एवं फार्मासिस्ट आशुतोष दुबे , मुख्य प्रहरी धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, कोमल गुर्जर,छया पचौरी, मंजुलता विश्वकर्मा, आदि लोग मौजूद थे शिविर के दौरान 49 बंदियों की लेव टेक्नीशियन द्वारा एचआईवी, सिफीलिस, टीबी एवं हेपेटाइटिस बी सी की जांचें की गईं। इस अवसर पर परामर्शदाता सदीप सेंगर ने उपस्थित बंदियों को एचआईवी संक्रमण होने के चार कारणों को विस्तार से समझाया वहीं एस टी एल एस रणवीर गोयल द्वारा टीबी रोग के लक्षण एवं निदान पर चर्चा की गई।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों में लापरवाही पर सीईओ जिला पंचायत का बड़ा एक्शन

80% से कम शिकायत निराकरण पर अधिकारियों का एक माह का वेतन होगा राजसात, योजनाओं में सुस्ती पर भी सख्ती

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण को लेकर जिला पंचायत प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही अब किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने 80 प्रतिशत से कम शिकायतों का निराकरण करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, सीएम हेल्पलाइन, चौबी ग्राम योजना तथा अन्य विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा में कई क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित



अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

बैठक में निर्देश दिए गए कि 80 प्रतिशत से कम शिकायत निराकरण वाली सीएफटी के प्रभारी, एडीईओ एवं पीसीओ का एक-एक माह का वेतन राजसात किया जाए। साथ ही जिन सीएफटी क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन संतोषजनक नहीं पाया गया, वहां के प्रभारियों का वेतन भी रोकने के निर्देश दिए गए।

सीईओ सौम्या आनंद ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार

नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों का केवल औपचारिक नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को बार-बार परेशान न होना पड़े। बैठक में वीबी ग्राम योजना के अंतर्गत सीपीर ऐप पर लंबित कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी पांच दिनों के भीतर कार्ययोजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

बैठक में एसीईओ डॉ. अजय उपाध्याय, परियोजना अधिकारी विक्रम जाट, राजेश शर्मा, जिला समन्वयक (एसबीएस) जी.एस. डोगरे, उदय सिंह धाकड़ सहित ग्रामीण विकास विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत की इस सख्ती के बाद ग्रामीण विकास विभाग में जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जनहित के मामलों में लापरवाही अब सोधे प्रशासनिक कार्रवाई का कारण बनेगी।

श्योपुर-बड़ौदा जलप्रदाय योजना को मिलेगी नई गति

पार्वती नदी पर प्रस्तावित एनीकट निर्माण को लेकर जयपुर में अहम बैठक, राजस्थान ने सहयोग का दिया भरोसा

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। श्योपुर एवं बड़ौदा शहर की भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पार्वती नदी पर प्रस्तावित एनीकट निर्माण को लेकर मध्यप्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों के बीच जयपुर में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा राजस्थान सरकार की ओर से परियोजना को सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बैठक में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (स्वच्छ) के प्रमुख अधिकारी आनंद सिंह एवं परियोजना प्रबंधक एस.के. उपाध्याय ने राजस्थान



वाटर शिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवि सोलंकी से मुलाकात कर प्रस्तावित एनीकट निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। **सीमा क्षेत्र में बनने वाले एनीकट पर हुई विस्तृत चर्चा** : बैठक में पार्वती नदी पर प्रस्तावित एनीकट के उस हिस्से पर विशेष चर्चा की गई, जो राजस्थान की सीमा से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों ने निर्माण कार्य के लिए आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियों, प्रशासनिक अनुमतियों तथा

दोनों राज्यों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया।

तकनीकी पहलुओं पर भी बनी सहमति बैठक के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा निर्मित रामगढ़ बैराज के लॉजिंग एग्रीज रेफरेंस लेवल पर आधार पर प्रस्तावित एनीकट के फ्रेस्ट लेवल तथा उसकी संभावित ऊंचाई को लेकर भी तकनीकी चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने परियोजना को वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप आगे

बढ़ने पर सहमति व्यक्त की।

राजस्थान ने दिया सहयोग का भरोसा राजस्थान वाटर शिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवि सोलंकी ने परियोजना के संबंध में सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि आवश्यक प्रक्रियाओं में समन्वय स्थापित कर परियोजना को आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

श्योपुर-बड़ौदा की पेयजल व्यवस्था को मिलेगा लाभ

प्रस्तावित एनीकट के निर्माण से भविष्य में श्योपुर एवं बड़ौदा जलप्रदाय योजना की स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। परियोजना के पूर्ण होने पर दोनों नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होने की संभावना है। यह बैठक परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से लंबे समय से प्रस्तावित जलप्रदाय योजना को गति मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

अम्बाह (निज संवाददाता)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पद्मेश उपाध्याय के निर्देशानुसार एवं बीएमओ अंबाह खंडीयाह डॉ अमित दंडेलिया के मार्गदर्शन में आज सब जेल अंबाह में टीबी ,एचआईवी, हेपेटाइटिस जांच व स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया ।जिसमें डीपीसी बृजेश सिंह द्वारा सभी बंदियों को टीबी के कारण , निशुल्क दवाइयां,निशुल्क जांचें और उपचार के संबंध में जानकारी दी गई जिसमें टीबी के 10 लक्षणों सहित निश्चय पोषण राशि एवं संपूर्ण पोषण एवं स्वच्छता के विषय में जानकारी दी गई।इस अवसर पर 86 बन्दियों की एचआईवी,सिफिलिसकी जांच की गई।टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले की सभी है जेलों में



स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे है,ताकि जेल में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण कर होने वाली बीमारी का तुरंत पता लगाया जा सके और समय पर उपचार दिया जा सके आज अंबाह सब जेल में 86 बंदियों में से 68 के एक्सरे किए गए एवं 6 हितधारकों के

स्मृतम सैपल कलेक्ट किए गए।जब की 86 बंदियों की एचआईवी की जांच की गई।इस अवसर पर लेव टेक्नीशियन बिमलेश गाँड,जेल फार्मासिस्ट अभिषेक श्रीवास्तव,वी के शर्मा,अरविंद लोधी,बृजेश शर्मा,प्रांजल मुद्गल शिविर के दौरान उपस्थित थे।

पर्यटन किचज 2026 : इतिहास और विरासत से रूबरू होंगे विद्यार्थी, 25 जुलाई तक करें पंजीयन

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के 9वीं से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 'मध्य प्रदेश पर्यटन किचज प्रतियोगिता-2026' का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, लोक परंपराओं, कला, प्राकृतिक संपदा, महापुरुषों एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी से जोड़ते हुए पर्यटन के प्रति जागरूक बनाना है।

जिला प्रशासन के अनुसार जिला स्तरीय पर्यटन किचज प्रतियोगिता 7 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। इसमें जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के लिए विद्यालयों को अपनी टीमें का ऑनलाइन पंजीयन 25 जुलाई 2026 शाम 5:30 बजे तक करना होगा।

प्रतियोगिता में लिखित प्रश्नोत्तरी के आधार पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 6 टीमें मल्टीमीडिया

ऑडियो-विजुअल राज्डें में प्रवेश करेंगी। इस अंतिम चरण में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला स्तर पर विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

अगर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने बताया कि विद्यालय अपनी टीमें का पंजीयन निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करा सकते हैं। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की ओर से प्राचार्य नंदबिहारी शर्मा को किचज प्रभारी तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक सुशील कुमार दुबे को किचज मास्टर नियुक्त किया गया है।

जिला प्रशासन ने सभी विद्यालयों से समय-सीमा के भीतर पंजीयन कराकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि युवा पीढ़ी मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से परिचित होकर पर्यटन के क्षेत्र में अपनी समझ को और मजबूत कर सकें।

सुबह की चाय बनी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी: गैस सिलेंडर में लगी आग, धमाके से उजड़ गया गरीब मजदूर का आशियाना, पूरी गृहस्थी राख



कुछ ही मिनटों में उजड़ गया गरीब का संसार

जानकारी के अनुसार, मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले रामसिंह जाटव की पत्नी राजकुमारी रोज की तरह सुबह घर में चाय बना रही थीं। तभी अचानक गैस सिलेंडर से आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की भयावह लपटों के बीच रामसिंह, उनकी पत्नी और उनका दो वर्षीय मासूम बेटा किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे। यदि कुछ क्षण की भी देर हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सिलेंडर फटते ही मच गई अफरा-तफरी

परिवार के बाहर निकलने के बाद आग लगातार विकराल होती गई। कुछ ही देर बाद आग की चपेट में आया गैस सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पहले से जल रहा कच्चा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

नकदी, जेवर, अनाज, कपड़े...

सब कुछ हुआ राख

इस हादसे में घर के भीतर रखा नकद धन, सोने-चांदी के जेवरत, अनाज, कपड़े, बर्तन, जरूरी दस्तावेज और पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। परिवार के पास अब पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं बचा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला

ग्रामीणों ने बताया कि रामसिंह जाटव अत्यंत गरीब परिवार से हैं और मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला था। अब आग की इस घटना के बाद परिवार पूरी तरह बेघर हो गया है और खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पीड़िता का छलका दर्द

पीड़ित महिला राजकुमारी ने नम आंखों से बताया— 'मैं सुबह घर में चाय बना रही थी। अचानक गैस में आग लग गई। हम किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर भागे। देखते-देखते पूरा घर जल गया। गृहस्थी का सारा सामान, सोने-चांदी के जेवर, अनाज, कपड़े और नगदी सब कुछ राख हो गया। अगर प्रशासन से मदद नहीं मिली तो हमें परिवार सहित खुले आसमान के नीचे भूखे रहने की नौबत आ जाएगी।' ग

ग्रामीणों ने लगाई मदद की गुहार

गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, खाद्यान्न, राहत सामग्री, अस्थायी आवास तथा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए, ताकि यह गरीब परिवार दोबारा अपने जीवन की शुरुआत कर सके। यह हादसा एक बार फिर याद दिलाता है कि एक छोटी-सी दुर्घटना भी गरीब परिवार की वर्षों की मेहनत और सपनों को पल भर में राख में बदल सकती है। अब सबकी निगाहें प्रशासन पर हैं कि पीड़ित परिवार को कितनी शीघ्र राहत और सहायता मिलती है।

कोलारस में जमीनी रंजिश बनी खूनी संघर्ष, लाठी-फरसों से लैस हमलावरों ने परिवार को पीटा, महिला और बच्चों को भी नहीं बरखा....



शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गुगुवारा में जमीनी विवाद को लेकर रंजिश का एक खौफनाक मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि जमीन से जबरन रास्ता निकालने की जिद को लेकर पहुंचे आधा दर्जन से अधिक हथियारबंद लोगों ने घर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक का हाथ टूट गया है और एक के सिर में फरसे से गंभीर चोट आई है।

प्राचीं अजीत धाकड़ ने आज गुरुवार को दोपहर 2 बजे पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत में बताया है कि चार मुख्य आरोपी, जो जमीन की खरीद-फरोख्त और प्लॉटिंग का काम करते हैं, लंबे समय से उनकी जमीन से जबरन रास्ता निकालने का दबाव बना रहे हैं। इस मामले में न्यायालय में पहले से ही दौवानी दावा विचारार्थीन है, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने 14 जुलाई की दोपहर को अपने साथ करीब एक दर्जन गुर्गों को लाठी, लुहंगी और फरसों से लैस होकर भेजा। आरोपियों ने घर में घुसकर



महिलाओं और बच्चों तक को बेरहमी से पीटा। पीड़ित परिवार ने कोलारस पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब वे रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचे, तो आरोपियों के प्रभाव और धनबल के कारण पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ताओं के नाम रिपोर्ट से गायब कर दिया। पुलिस ने केवल कुछ गुर्गों के खिलाफ मामूली कार्रवाई की और मुख्य आरोपियों को सुरक्षित बचा लिया।

पीड़ित ने बताया कि 16 जुलाई को जब वे शिकायत लेकर आ रहे थे, तब एक आरोपी

रघुबीर धाकड़ ने अपनी छत से बंदूक लहराकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने अब पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर मुख्य साजिशकर्ताओं को आरोपी बनाया जाए और जानलेवा हमले की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाए। साथ ही, धमकी देने वाले आरोपी का शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की भी मांग की है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और पीड़ित परिवार खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

पदोन्नति: कार्यवाहक निरीक्षक से पूर्ण निरीक्षक बने बृजमोहन सिंह रावत सिंह , विभाग में हर्ष की लहर...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में अपनी उत्कृष्ट और समर्पित सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले कार्यवाहक निरीक्षक बृजमोहन सिंह रावत को पदोन्नत कर पूर्ण निरीक्षक (Inspector) बना दिया गया है।

इस गरिमामयी अवसर पर आयोजित स्टार सेमनी (कंधों पर सितारे लगाने की रस्म) के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उनके सहयोगियों ने उनके कंधों पर तीन सितारे (Three Stars) सजाए। तीन सितारों का यह सम्मान उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण, जिम्मेदारी और विभाग के विश्वास का प्रतीक है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने पहनाए सितारे समारोह के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उच्चलभ भविष्य की कामना की। इस दौरान पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उनके निकटतम सहयोगियों ने भी उन्हें इस बड़ी उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की



मिसाल नव-पदोन्नत निरीक्षक] अपनी कानून-निष्ठा और जनता के प्रति संवेदनशील रवैये के लिए जाने जाते हैं। विभाग के सहयोगियों के अनुसार, उनका अब तक का कार्यकाल बेहद सराहनीय रहा है। वे हमेशा: अपराध नियंत्रण: अपराध और अपराधियों के विरुद्ध हमेशा तत्परता से

कार्रवाई करने में आगे रहे हैं। जनसहयोग: जनता के साथ समन्वय, सम्मान और विश्वास का मजबूत रिस्ता बनाने में विश्वास रखते हैं। पारदर्शिता: विभाग में अनुशासन, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है।

थाना बैराड पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही में हाथ मट्टी की बनी कच्ची शराब 100 लीटर कीमती करीबन 25,000 रुपये की जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया एवं आरोपी को माननीय न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया।...



शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी यांगचेन डेलकर भूटिया जी के द्वारा अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध 'नसे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाये जाने के संबंध में

निर्देश दिये गये थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले व एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में आज दिनांक 16.07.2026 को दोपहर को थाना बैराड पुलिस को जरिये मुखविर

सूचना प्राप्त हुई कि टेरिया पहाड़ी के पीछे अमरपुर जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति अवैध हाथ भट्ठी की कच्ची शराब भारी मात्रा में रखे हुये है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस पार्टी मुखविर द्वारा बताये स्थान पर पहुँची जहाँ एक व्यक्ति दो केने लेकर खड़े हुये दिखा को पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेर कर पकड़ उक्त व्यक्ति का नाम पता पूछ तो उसने अपना नाम प्रमोद पुत्र सीताराम कुशवाह उम्र 24 साल निवासी धेरवां थाना बैराड का होना बताया बाद आरोपी के कब्जे से 02 प्लास्टिक की केनों में हाथ भट्ठी की बनी कच्ची शराब 100 लीटर कीमती 25,000 रुपये की जप्त की गई एवं आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से जेल भेजा गया

इन्की रही भूमिका : - निती सुश्र शार्मा , सउनि केदार सिंह, आर1093 गिरांज, आर.1058 राजेन्द्र, आर.658 अजय नौखरा ।

शिवपुरी (निज संवाददाता)। फरियादी आदित्य पुत्र देवेन्द्रसिंह तोमर उम्र 36 साल 10 प्रतिज्ञा नशा मुक्ति केन्द्र प्रियदर्शनी नगर शिवपुरी ने आरोपीगण मनोज कुशवाह, शिवचरण कुशवाह, अतुल कुशवाह, रमेश कुशवाह, गगन कुशवाह एवं अन्य व्यक्ति द्वारा लाठी डण्डा से मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट की जो फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना कोतवाली पर अप0क्र0 689/25 धारा 118(1),296()351(2), 115 (2), 3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया एवं पीड़ित का मेडीकल परीक्षण कराया गया मेडीकल परीक्षण में पीड़ित की चोटें गंभीर होने से प्रकरण में धारा 109,117(2) बीएनएस ईजाफ की गई एवं अन्य आरोपियों में बंटी कुशवाह, दिनेश कुशवाह को भी आरोपी बनाया गया घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी यांगचेन डेलकर भूटिया द्वारा आरोपीगण की गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश किया गया जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस



अधीक्षक सचिन कुमार धुवें के मार्ग दर्शन में कोतवाली टीआई रोहित दुबे द्वारा आरोपीगण की गिरा हेतु अलग- अलग टीमें बनायी गयी एवं आरोपियों के निवास स्थान व संभावित ठिकानो पर दबिश दी गयी टीम द्वारा अपराध की गंभीरता को देखते हुये दिनांक 15.07.26 को प्रकरण के फरार आरोपीगणो में मनोज पुत्र रमेश कुशवाह उम्र 28 साल, दिनेश पुत्र टेकसिंह कुशवाह उम्र 40 साल, अतुल पुत्र दिनेश कुशवाह उम्र 20 साल, गगन पुत्र

रमेश कुशवाह उम्र 24 साल, बंटी पुत्र रमेश कुशवाह उम्र 20 साल 10प्रतिज्ञा पोहरी चैराह शिवपुरी को उनके निवास स्थान से गिरा किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया जहाँ से सभी

आरोपीगणो को जेल भेजा गया। सराहनीय भूमिका:. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक रोहित दुबे, उनी0 आदित्य प्रताप सिंह राजावत, उनि सुमित शर्मा, उनि अरविंद छत्री, आर0 285 राहुल कुमार, आर0 575 जितेन्द्र रावत, आर0 350 मुकेश वर्मा, आर0 923 लोकेन्द्र, आर0 787 दर्शन सिंह, आर0 265 देवेन्द्र रावत , आर0 चालक 259 शरद यादव की विशेष भूमिका रही।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई: करोड़ों की मंदिर भूमि कराई मुक्त, अवैध कब्जाधारियों पर लगाया भारी जुर्माना



ग्राम पिपरसमा में श्री राधाकृष्ण मंदिर की 100 बीघा मंदिर माफ़ी भूमि अतिक्रमण मुक्त

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले में शासकीय, देवस्थान एवं मंदिर माफ़ी की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शिवपुरी श्री आनंद सिंह राजावत के नेतृत्व में तहसीलदार शिवपुरी सिद्धार्थ भूषण शर्मा की कार्यवाही में ग्राम पिपरसमा स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर की लगभग 100 बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 15 करोड़ रुपये है।

हल्का पटवारी आनंद यादव की जांच रिपोर्ट और राजस्व विभाग को प्राप्त शिकायत के आधार पर यह मामला सामने आया था कि चंदन पुत्र हजारी धाकड़, रामदयाल पुत्र रतनसिंह, अशोक पुत्र प्रश्वी धाकड़, हरिवंश पुत्र दोलतिया धाकड़, श्री बलवीर पुत्र निचौर धाकड़, राजेंद्र पुत्र सुखराम धाकड़, परमानंद पुत्र रामजीलाल, राजेश, महेश, विनोद, गजेन्द्र पुत्रगण रामजीलाल, कैलाश पुत्र जालम धाकड़, चंदन पुत्र रामचरण धाकड़, रमेश पुत्र श्रीलाल धाकड़, बलराम पुत्र गयाजीत धाकड़, जीतेन्द्र पुत्र हरीबल्लभ, हक्के पुत्र पुस्कर धाकड़, अखिलेश पुत्र सुरेश धाकड़, कमरसिंह पुत्र चम्पालाल धाकड़, भगवानसिंह पुत्र नरेंद्र धाकड़, अशोक पुत्र रामस्वरूप धाकड़, रामदयाल पुत्र रतन धाकड़, अशोक



पुत्र प्रश्वी धाकड़, राजानंद पुत्र रामदयाल समस्त निवासीगण ग्राम पिपरसमा तहसील शिवपुरी द्वारा मंदिर की इस कीमती जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा था।

तहसीलदार सिद्धार्थ भूषण शर्मा द्वारा मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता के तहत केस दर्ज कर सभी पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका दिया गया। सुनवाई के दौरान जब अतिक्रमणकारियों ने खुद जमीन पर अपना अवैध कब्जा स्वीकार करने के बाद तहसीलदार श्री शर्मा द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें बेदखल करने के आदेश जारी किए गए। इसके साथ ही उन पर 1 लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया, जिसमें से 95 हजार रुपये की वसूली की जा चुकी है और शेष राशि की वसूली की जा रही है।

तहसीलदार श्री सिद्धार्थ भूषण शर्मा के नेतृत्व में हल्का पटवारी श्री आनंद यादव और सहयोगी पटवारियों श्री गजेन्द्र गुर्जर, श्री मनोप राजपूत व श्री शिवकुमार शर्मा एवं अन्य राजस्व दल ने आज गुरुवार को मौके पर पहुंचकर बेदखली के आदेश का पालन कराया। टीम ने वहां से सभी अवैध कब्जे हटवाए और मंदिर माफ़ी की इस 100 बीघा भूमि को पूरी तरह सुरक्षित और अतिक्रमण मुक्त कराया।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में शासकीय, देवस्थान या मंदिर माफ़ी की जमीनों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जहाँ भी भू-माफ़िया या रसूखदारां द्वारा ऐसी जमीनों पर अतिक्रमण किया गया है, उन्हें तत्काल चिन्हित कर बेदखली की कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने सख्त लहजे में कहा है कि शासकीय संपत्तियों पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध न केवल बेदखली बल्कि भारी जुर्माना और जरूरत पड़ने पर दंडात्मक कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय विद्यालयों का किया निरीक्षण शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की पढ़ाई और व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आवश्यक सुधार के लिए निर्देश...

शिवपुरी, जिले में शैक्षणिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गतदिवस कोलारस विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की नियमितता, स्वच्छता, प्रार्थना सभा, मध्याह्न भोजन, शैक्षणिक अभिलेख तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण की शुरुआत शासकीय सांदीपन उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय कोलारस से हुई। निरीक्षण में विद्यालय की प्रार्थना सभा नियमित प्रक्रिया के अनुसार संचालित होती पाई गई। कक्षाओं में विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यपन का अवलोकन किया गया तथा शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जा रहे विषयों की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान श्रीमती कल्पना शर्मा (माध्यमिक शिक्षक), श्री हरिशंकर मथनैया (सहायक ग्रेड-3) तथा श्री हेमंत मिश्रा (भूतल) अनुपस्थित पाए गए। इस पर संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा सभी कर्मचारियों की नियमित एवं समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। इसके बाद शासकीय मॉडल उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय कोलारस का निरीक्षण किया गया। यहां



विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन से विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से नियमित संपर्क किया जाए और विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछे तथा शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। विद्यालय के अभिलेखों, नामांकन, छात्र उपस्थिति पंजिका, शैक्षणिक प्रगति, पुस्तक वितरण, अकादमिक कैलेंडर के पालन एवं अन्य

व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने विद्यालय परिसर को स्वच्छ, अनुशासित एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया। इसके परचात शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय गोराटोला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अतिथि शिक्षक प्रिंस राठीर एवं बलवीर गुर्जर अनुपस्थित पाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने शाला प्रभारी को निर्देशित किया कि सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचकर नियमित रूप से अध्यापन कार्य करें तथा विद्यार्थियों का शैक्षणिक नुकसान किसी भी स्थिति में न होने दिया जाए। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया, उनकी सीखने की प्रगति की जानकारी ली तथा शिक्षकों को प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देने, कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने और सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का समुचित उपयोग करने तथा शासन के निर्देशानुसार सभी गतिविधियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रभारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करें तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

नई नगरपालिका भवन व ग्रीन स्पेस पार्क का निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता पर सख्त निर्देश

श्योपुर (निज संवाददाता)। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेनु-सुजीत गर्ग के निर्देश पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग ने विकास कार्यों की सैद्धांतिक निगरानी का शानदार उदाहरण पेश किया। उन्होंने सीएम इंफ्रा योजना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत बनाए जा रहे नवीन नगरपालिका भवन और अमृत 2.0 योजना के तहत जय श्री पैलेस के पीछे विकसित हो रहे ग्रीन स्पेस पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री सुजीत गर्ग ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी कोटाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने नगरपालिका सीएमओ -रेन्द्र कुमार जाटव और उपयंत्री विनोद त्यागी को सख्त निर्देश देते हुए कहा निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे हों। नागरिकों की सुविधा और सुंदरता दोनों का पूरा ध्यान रखा जाए। श्री गर्ग का यह सक्रिय रुख विकास कार्यों में पारदर्शिता, तेज गति और बेहतरीन गुणवत्ता सुनिश्चित करने का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक नगरपालिका भवन और हरे-भरे पार्क नागरिकों की सुविधा व शहर



की छवि को नई ऊंचाई दें। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्री राजेन्द्र मित्तल भी उनके साथ मौजूद रहे।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता : नए आर्थिक युग की शुरुआत, अवसर और चुनौतियाँ

— **डॉ. भूपेंद्र कुमार सुल्ले**

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पथ्र है। वर्षों तक चली कठिन वार्ताओं के बाद लागू हुआ यह समझौता केवल व्यापार बढ़ने का दस्तावेज नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार, सेवाओं, प्रौद्योगिकी, नवाचार और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने वाला एक व्यापक आर्थिक ढांचा है। तीन वर्षों तक चोटद से अधिक दौर की बातचीत के बाद हुए इस समझौते ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज के दौर में मुक्त व्यापार समझौते केवल आयात-निर्यात पर लगने वाले शुल्क घटाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें डिजिटल व्यापार, निवेश संरक्षण, बौद्धिक संपदा, सेवा क्षेत्र, श्रमिकों की आवाजाही और नियामकीय सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय शामिल होते हैं।

15 जुलाई से इस समझौते के लागू होने के साथ ही अब इसकी वास्तविक परीक्षा शुरू हो चुकी है। किसी भी व्यापार समझौते की सफलता उसके हस्ताक्षर में नहीं, बल्कि इस बात में निहित होती है कि वह उद्योगों, व्यापारियों, किसानों, उद्यमियों और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन ला पाता है। अब यह देखना होगा कि क्या यह समझौता वास्तव में "गोल्ड स्टैंडर्ड" अर्थात पर्वोत्तम मानक का मुक्त व्यापार समझौता सिद्ध होता है।

इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारतीय निर्यातकों को मिलने वाला है। लगभग 9२ प्रतिशत भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश प्राप्त हो गया है। पहले इन उत्पादों पर 4 प्रतिशत से लेकर 16 प्रतिशत तक आयात शुल्क देना पड़ता था, जिससे भारतीय वस्तुएँ अंपेक्षाकृत महंगी पड़ती थीं और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होती थी। अब भारतीय उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर ब्रिटिश बाजार में उपलब्ध होंगे, जिससे निर्यात बढ़ने की व्यापक संभावनाएँ हैं।

इसके विपरीत भारत लगभग 9० प्रतिशत ब्रिटिश उत्पादों पर आयात शुल्क चरणबद्ध तरीके से कम करेगा। यह कमी तत्काल नहीं बल्कि कई वर्षों में लागू होगी। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ भारतीय उद्योगों को मिलेगा क्योंकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का

पर््याप्त समय मिलेगा। इस प्रकार समझौते में संतुलन बनाए रखने का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है।

भारत के श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए यह समझौता अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वस्त्र एवं परिधान उद्योग, चमड़ा उद्योग, जूता निर्माण, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलने से निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इन क्षेत्रों में करोड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है और निर्यात बढ़ने से नए रोजगार सृजित होंगे। तमिलनाडु, गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को इसका विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था में इन उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए भी यह समझौता एक बड़ा अवसर लेकर आया है। भारत के अधिकांश निर्यातक इसी वर्ग से आते हैं। यदि उन्हें गुणवत्ता प्रमाणन, निर्यात प्रक्रिया, सीमा शुल्क नियमों तथा 'रूल्स ऑफ ओरिजिन' की पर्याप्त जानकारी और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए तो वे इस समझौते का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। हालाँकि छोटे उद्योगों के लिए नियमों की जटिलता अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

ब्रिटेन को भी इस समझौते से महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे। भारत ने स्कोच व्हisky की पर लगने वाले 15० प्रतिशत आयात शुल्क को तत्काल घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है तथा अगले दस वर्षों में इसे 40 प्रतिशत तक लाने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त ब्रिटिश ऑटोमोबाइल, मशीनरी, चिकित्सा उपकरण और वित्तीय सेवाओं को भी भारत के विशाल बाजार तक चरणबद्ध तरीके से बेहतर पहुँच मिलेगी। हालाँकि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कोट व्यवस्था लागू रहेगी, जिससे यह सुविधा मुख्यतः लक्जरी कार निर्यातकों तक सीमित रहेगी और बड़े पैमाने पर भारतीय बाजार नहीं खुलेगा।

इस समझौते की एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि भारतीय पेशेवरों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान संबंधी व्यवस्था है। अब अल्यकालिक कार्य के लिए ब्रिटेन जाने वाले भारतीय आईटी विशेषज्ञों, इंजीनियरों, सलाहकारों तथा अन्य पेशेवरों को दोनों देशों में एक साथ सामाजिक सुरक्षा अंशदान

नहीं देना पड़ेगा। इससे भारतीय कंपनियों की लागत कम होगी तथा भारतीय पेशेवरों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। यह सेवा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ब्रिटेन सरकार का अनुमान है कि इस समझौते से दीर्घकाल में उसकी अर्थव्यवस्था में लगभग 4.8 अरब पाउंड की अतिरिक्त वृद्धि होगी। प्रतिशत के हिसाब से यह वृद्धि भले ही बहुत बड़ी न दिखाई दे, लेकिन ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में से एक माना जा रहा है। भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित हो रहे बाजार तक पहुँच ब्रिटेन की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यद्यपि यह समझौता व्यापक है, फिर भी दोनों देशों ने अपने कुछ संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा बनाए रखी है। डेयरी उत्पाद, चीनी, सेब, सोना तथा स्मार्टफोन जैसे क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर इस समझौते से बाहर रखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि मुक्त व्यापार समझौतों में भी घरेलू आर्थिक हितों और राजनीतिक प्राथमिकताओं का विशेष ध्यान रखा जाता है।

हालाँकि इस समझौते को लेकर कुछ चिंताएँ भी सामने आई हैं। नागरिक समाज के कुछ संगठनों का मानना है कि दवा क्षेत्र में स्वीच्छिक लाइसेंसिंग पर अधिक बल दिए जाने से भविष्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों में भारत की नीति निर्माण क्षमता प्रभावित हो सकती है। यदि अनियंत्रित लाइसेंसिंग की गुंजाइश सीमित होती है तो जीवनरक्षक दवाओं को उपलब्धता और उनकी कीमतों पर प्रभाव पड़ सकता है। सरकार का कहना है कि भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य हित पूरी तरह सुरक्षित हैं, लेकिन यह विषय आने वाले समय में चर्चा का केंद्र बना रह सकता है।

डिजिटल व्यापार से जुड़े प्रावधान भी बहस का विषय बना हुए हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अत्याति्त सॉफ्टवेयर के खोते कोड तक भारत की नियामकीय पहुँच सीमित होने से साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और डिजिटल संपभुता से जुड़े प्रश्न उत्पन्न हो सकते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह विषय भविष्य में और अधिक महत्वपूर्ण होता जाएगा।

ब्रिटेन में भी इस समझौते को लेकर कुछ वर्गों में अस्वतोष है। किसान संगठनों ने चिंता व्यक्त की है कि भारतीय कृषि एवं पशुपालन मानकों के कारण ब्रिटिश

नंदकिशोर गोयनका: सेवा, संस्कार, समर्पण और राष्ट्रभाव के युगपुरुष

विनोद बंसल

'कुछ व्यक्तित्व समय की सीमा में बंधे नहीं होते। उनका जीवन एक विचार बन जाता है, उनका आचरण एक आदर्श और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत। स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर गोयनका जी ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे।' श्री गोयनका जी का पार्थिव शरीर तो पंचतत्व में विलीन हो गया, किंतु उनका गुरु, कर्म, स्वभाव और महानता सदैव अमिट रहेंगे। संघ के एक कर्मठ स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने आजीवन निरस्थर सेवा दी। महाराजा अग्रसेन के सच्चे वंशज के रूप में उन्होंने अग्रोह्र धाम को वैश्य समाज के एक साथी के रूप में विकसित किया। विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत उपाध्यक्ष एवं गैरशा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। गौमाता के वे सच्चे सेवक थे और भारत माता के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।' यह श्रद्धांजलि वस्तुतः उनके संपूर्ण जीवन का सार है।

अग्रोह्र धाम : एक स्वप्न, एक साधना
महाभारत के युद्ध के साक्षी महाराजा अग्रसेन केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि 'एक ईंट व सवा रूपये' जैसे समता, सहयोग और लोककल्याण को भारतीय परंपरा के प्रतीक हैं। श्री नन्दकिशोर गोयंका जी ने इस विरासत को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। अग्रोह्र धाम के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने इसे केवल मंदिर परिसर या स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि वैश्य समाज की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित करने का स्वप्न देखा। आज देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए अग्रोह्र धाम श्रद्धा, प्रेरणा और संगठन का केंद्र है। इस उपलब्धि में उनका योगदान सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा।

समाजसेवा : प्रचार नहीं, जीवन-पद्धति
उनका विश्वास था कि सेवा का सबसे श्रेष्ठ रूप वही है जिसमें यश की अपेक्षा न हो। इसलिए उन्होंने कभी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया। शिक्षा, चिकित्सा, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता में उनका सहयोग निरंतर बना रहा। वे मानते थे कि समाज केवल आर्थिक उन्नति से महान नहीं बनता; उसे संस्कार, शिक्षा और सेवा की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण उन्होंने अनेक सामाजिक एवं शैक्षिक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया और समाज को जोड़ने का कार्य किया।

सादगी : उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान
आज के युग में जब प्रतिष्ठा का माफदंड बाहरी वैभव बनता जा रहा है, तब श्री नन्दकिशोर गोयंका जी का जीवन सादगी का अनुपम उदाहरण था। अत्यंत प्रतिष्ठित परिसर से होने के बावजूद उनके जीवन में दिखावा नहीं था। वे सहज, सरल और आत्मीय थे। उनके द्वार पर आने वाला व्यक्ति कभी अपने को पराया अनुभव नहीं करता था। उनकी वाणी में मधुरता, व्यवहार में आत्मीयता और निष्पत्तियों में स्पष्टता थी। वे सुनने की क्षमता रखते थे, इसलिए समाज उन्हें समान देता था।

परिवार को दिए अमूल्य संस्कार
ह्र महान परिवार के पीछे एक महान संस्कारदाता होता है। गोयनका परिवार के लिए वह भूमिका नन्दकिशोर जी ने निभाई। उन्होंने अपने बच्चों को केवल सफलता का मार्ग नहीं दिखाया, बल्कि यह भी सिखाया कि सफलता का उद्देश्य समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना है। डॉ. सुभाष चंद्रा जी, तन्मयी नारायण जी, जवाहर जी व अशोक गोयल जी के व्यक्तित्व में दिखाई देने वाली कर्मठता, साहस, नवाचार और भारतीयता के मूल में उनके पिता के संस्कार ही स्पष्ट दिखाई देते हैं।

अंतिम विदाई अमर प्रेरणा: १6 वर्ष की आयु में उनकी जीवनयात्रा पूर्ण हुई। हिसार की पावन भूमि पर जब उनका अंतिम संस्कार हुआ, तब केवल एक परिवार नहीं, बल्कि समाज का एक युग उन्हें विदा कर रहा था। अर्सेय स्वयंसेवक, संत, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति, जनप्रतिनिधि और सामान्य नागरिक उन्हें अंतिम प्रणाम देने पहुँचे। यह सम्मान किसी पद का नहीं, बल्कि एक तपस्वी जीवन का था।

नन्दकिशोर गोयनका जी ने अपने जीवन से सिद्ध किया कि राष्ट्रसेवा और समाजसेवा के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती; आवश्यकता होती है निष्काम भाव, दृढ़ संकल्प और सतत कर्म की। उन्होंने जीवनभर संघ के स्वयंसेवक की निष्ठा, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता का समर्पण, गौभक्त की करुणा, अग्रवंशी की सामाजिक चेतना और एक भारतीय गृहस्थ की मर्यादा को एक साथ जीकर दिखाया।

उनका जीवन भारतीय संस्कृति के उस आदर्श का मूर्त रूप था जिसमें धर्म, सेवा, संगठन, करुणा, विनम्रता और राष्ट्रप्राक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं। आज वे सशरीर भले हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनके द्वारा रोपे गए संस्कारों के वृक्ष आने वाली पीढ़ियों को छाया देते रहेंगे। उनके आदर्श समाज को दिशा देते रहेंगे। उनकी तपस्या राष्ट्रजीवन को प्रेरित करती रहेगी। ऐसे राष्ट्रप्रेक्षि, कर्मयोगी, गौभक्त, समाजयायक और प्रेरणामुष्य स्वर्गीय नन्दकिशोर गोयनका जी को कोटिशः नमन ! ? शान्ति: शान्ति: शान्ति:।

सामान्य रूप से देश उन्हें प्रख्यात उद्योगपति, एस्सेल समूह के संस्थापक एवं मीडिया जागत के अग्रणी व्यक्तित्व डॉ. सुभाष चंद्रा के पूज्य पिता के रूप में जानता है, किंतु जिन्होंने उन्हें निकट से देखा, वे जानते हैं कि उनकी अपनी पहचान कहीं अधिक व्यापक थी। वे समाज के मार्गदर्शक, संगठन के विश्वसनीय कार्यकर्ता, गौसेवा के तपस्वी, अग्रवाल समाज के प्रेक और राष्ट्रजीवन के सजग प्रहरी थे।

संघ संस्कारों से निर्मित जीवन : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके जीवन का केवल एक संगठन नहीं था, बल्कि जीवन-दृष्टि था। वे संघ के एक कर्मठ, अनुशासित और निष्ठावान स्वयंसेवक रहे। उन्होंने संघ के उस मूल मंत्र- ‘राष्ट्र प्रथम —को अपने जीवन में पूरी निष्ठा से उतारा। उनके लिए राष्ट्रभक्ति भाषण का विषय नहीं, बल्कि जीवन की दिनचर्या थी। अनुशासन, समयपालन, विनम्रता, आत्मसंयम और संगठन-भाव उनके स्वभाव में स्वाभाविक रूप से समाहित थे।

विश्व हिंदू परिषद और धर्मरक्षा का संकल्प : विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत के उपाध्यक्ष के रूप में तथा गैरशा की केंद्रीय टोली के सदस्य के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे मानते थे कि हिंदू समाज का संगठन केवल किसी संस्था का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक जागरूक भारतीय और राष्ट्रसेवा का माध्यम माना।

बलरामपुर : कलेक्टर बनीं शिक्षिका, बच्चों को सिखाया अंग्रेजी के सही उच्चारण का तरीका

बलरामपुर, 16 जुलाई (हि.स.) कलेक्टर चंदन संजय निपाटी ने विकासखंड कुसमी के दूरस्थ प्राथमिक शाला फुलुरटोली का निरीक्षण किया। इस दौरान, आज गुस्वार उन्होंने शिक्षिका की भूमिका निभाते हुए बच्चों की पढ़ाई का स्तर परखा, अंग्रेजी और गणित के सवाल पूछे तथा विद्यार्थियों को अंग्रेजी शब्दों के सही उच्चारण का अभ्यास कराया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शिक्षिका ने बताया कि यहां पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित हैं। विद्यालय में कुल 13 विद्यार्थी नामांकित हैं, जिनमें से 9 विद्यार्थी उपस्थित थे। कलेक्टर ने अंग्रेजी और व्बैकग्राउंड पर गणित के सवाल हल करवाए। अनुपस्थित विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क कर

सही हल किए और 12 तक का पहाड़ सुनाया। वहीं कक्षा पांचवीं के छात्र टार्जन किंडो ने भी आत्मनिश्वास के साथ पहाड़ सुनाया।

इसके बाद कलेक्टर ने बच्चों से अंग्रेजी में विभिन्न जानवरों के नाम पूछे। बच्चों ने बिना हिंझक जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को अंग्रेजी शब्दों के सही उच्चारण का तरीका समझाया और नियमित अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों से अलग-अलग जानवरों के नाम अंग्रेजी में बुलवाए तथा उनके उच्चारण में आवश्यक सुधार भी कराया।

बच्चों ने पूे उत्साह के साथ अभ्यास किया, जिसे देखकर कलेक्टर ने उनकी सराहना की।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से दो दिन में मिला उज्ज्वला गैस कनेक्शन, हिमाद्री निराला की शिकायत का हुआ त्वरित समाधान

‘जांजगीर-चांपा, 16 जुलाई (हि. स.)। छत्तीसगढ़ सरकार की सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। इसका ताजा उदाहरण जांजगीर-चांपा जिले में देखने को मिला, जहां प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन के लिए लंबे समय से परेशान श्रीमती हिमाद्री निराला की शिकायत का समाधान महज दो दिनों में कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, श्रीमती हिमाद्री निराला ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए बिना डूंडेन ग्रामीण वितरक के यहां आवेदन किया था। आवेदन स्वीकृत होने के बावजूद उन्हें गैस कनेक्शन नहीं मिल सका। उनकी समय तक समस्या का समाधान नहीं होने पर उन्होंने अपनी शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही खाद्य विभाग के अधिकारियों ने मामले की तत्काल जांच शुरू की। जांच में पता चला कि श्रीमती हिमाद्री निराला

नारायणपुर, 16 जुलाई (हि.स.)।भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबुलमाड़ क्षेत्र में जाटलूर नाला पर बनाए गए 250 फीट लंबे फुट सर्सेशन ब्रिज का आज औपचारिक रूप से लोकार्पण कर दिया गया है। सर्सेशन ब्रिज का लोकार्पण अजय पाल सिंह (आईजी , केंद्रीय फ्रंटियर, आईटीबीपी) द्वारा किया गया। इस पुल का निर्माण विशेष रूप से दूरदर्जज के क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए किया गया है, जो भारी बारिश के दौरान अक्सर कट जाते थे। कार्यक्रम के दौरान आईटीबीपी द्वारा संचालित सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को साइकिलों का वितरण भी किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वरोजगार, कोशल विकास तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। पुल निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं जवानों को महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि नव-निर्मित पुल का नाम बलिदानी अमोल माधव गह महरके की स्मृति में रखा जाएगा।

पशुधन उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक तुकसान उठाना पड़ सकता है। इससे स्पष्ट है कि कोई भी मुक्त व्यापार समझौता सभी पक्षों को समान रूप से संतुष्ट नहीं कर सकता।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में सबसे बड़ी चुनौती टैरिफ नहीं बल्कि गैर-टैरिफ बाधाएँ होंगी। ब्रिटेन के कटोर गुणवत्ता मानक, इस्पात संबंधी नियम, कार्बन सीमा कर पर्यावरणीय मानक, मूल नियम तथा सीमा शुल्क प्रक्रियाएँ भारतीय निर्यातकों के लिए कठिनाइयाँ उत्पन्न कर सकती हैं। यदि इन बाधाओं का समय पर समाधान नहीं किया गया तो कागज पर मिलने वाले लाभ वास्तविक व्यापार में परिवर्तित नहीं हो पाएँगे।

भारत को इस समझौते का पूरा लाभ उठाने के लिए निर्यातकों को प्रशिक्षण देना होगा, एमएसएमई को वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार करना होगा, लॉजिस्टिक्स लागत कम करनी होगी, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा तथा राज्यों के स्तर पर निर्यात प्रोत्साहन तंत्र को मजबूत करना होगा। साथ ही उद्योगों को आधुनिक तकनीक, नवाचार और गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान देना होगा।

वास्तव में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता केवल व्यापार बढ़ने का साधन नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास, सहयोग और साझा आर्थिक विकास का नया अध्याय भी है। यदि इसका प्रभावी क्रियाव्यवन सुनिश्चित किया जाता है, तो यह भारतीय निर्यात, रोजगार, निवेश और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान कर सकता है। वहीं ब्रिटेन को भी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत के विशाल बाजार तक स्थायी पहुँच प्राप्त होगी।

निस्संदेह, 15 जुलाई इस समझौते का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि एक नई आर्थिक यात्रा की शुरुआत है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि यह समझौता वास्तव में भारत और ब्रिटेन दोनों के लिए साझा समृद्धि, आर्थिक सहयोग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मजबूत आधार बनता है या नहीं। इसकी सफलता कागज पर लिखे प्रावधानों से नहीं, बल्कि उद्योगों, निर्यातकों, निवेशकों और दोनों सरकारों की प्रतिबद्धता तथा प्रभावी क्रियाव्यवन से तय होगी। यही इस ऐतिहासिक समझौते की वास्तविक कसौटी होगी।

पहुँचाने का संकल्प लिया।

अग्रोह्र धाम के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने इसे केवल मंदिर परिसर या स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि वैश्य समाज की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित करने का स्वप्न देखा। आज देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए अग्रोह्र धाम श्रद्धा, प्रेरणा और संगठन का केंद्र है। इस उपलब्धि में उनका योगदान सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा।

समाजसेवा : प्रचार नहीं, जीवन-पद्धति
उनका विश्वास था कि सेवा का सबसे श्रेष्ठ रूप वही है जिसमें यश की अपेक्षा न हो। इसलिए उन्होंने कभी अपने कार्यों का प्रचार नहीं किया। शिक्षा, चिकित्सा, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता में उनका सहयोग निरंतर बना रहा। वे मानते थे कि समाज केवल आर्थिक उन्नति से महान नहीं बनता; उसे संस्कार, शिक्षा और सेवा की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण उन्होंने अनेक सामाजिक एवं शैक्षिक प्रयासों को प्रोत्साहन दिया और समाज को जोड़ने का कार्य किया।

सादगी : उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान
आज के युग में जब प्रतिष्ठा का माफदंड बाहरी वैभव बनता जा रहा है, तब श्री नन्दकिशोर गोयंका जी का जीवन सादगी का अनुपम उदाहरण था।

आईटीबीपी द्वारा जाटलूर नाला पर बनाये गये 250 फीट लंबे फुट ब्रिज हुआ लोकार्पण

नारायणपुर, 16 जुलाई (हि.स.)।भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबुलमाड़ क्षेत्र में जाटलूर नाला पर बनाए गए 250 फीट लंबे फुट सर्सेशन ब्रिज का आज औपचारिक रूप से लोकार्पण कर दिया गया है। सर्सेशन ब्रिज का लोकार्पण अजय पाल सिंह (आईजी , केंद्रीय फ्रंटियर, आईटीबीपी) द्वारा किया गया। इस पुल का निर्माण विशेष रूप से दूरदर्जज के क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए किया गया है, जो भारी बारिश के दौरान अक्सर कट जाते थे। कार्यक्रम के दौरान आईटीबीपी द्वारा संचालित सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को साइकिलों का वितरण भी किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वरोजगार, कोशल विकास तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। पुल निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं जवानों को महानिरीक्षक अजय पाल सिंह ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि नव-निर्मित पुल का नाम बलिदानी अमोल माधव गह महरके की स्मृति में रखा जाएगा।

युवक पर चाकू से हमला करने वाला आदतन बदमाश गिरफ्तार

जागदलपुर, 16 जुलाई (हि.स.)। जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में मोबाइल चार्जर और माइक्र वापस मांगने पर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आदतन बदमाश देव कुड्डियम उर्फ कोदु को कोतवाली पुलिस ने आज गुरूवार को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपित ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के बाद युवक के पेट में चाकू मारकर उसे घायल कर दिया था। कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई उपरांत आरोपित देव कुड्डियम उर्फ कोदु को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस के अनुसार, वारदात 13 जुलाई को है। महारानी वाई निवासी पीड़ित युवक अपने मोबाइल चार्जर और माइक्र को वापस लेने आरोपी देव कुड्डियम उर्फ कोदु के पास गया था। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया।

भूजल सप्ताह का शुभारंभ, जल संरक्षण के लिए जन-जागरूकता अभियान तेज, छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली



जिलाधिकारी द्वारा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर भूजल सप्ताह का हुआ शुभारंभ, जागरूकता रैली व प्रचार अभियान हुए आयोजित भूजल संरक्षण का लें संकल्प, जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

आगरा.16.07.2026/ प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार भूजल सप्ताह के अंतर्गत जनपद आगरा में जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के प्रति जन-

जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। ‘जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प’ थीम पर आयोजित इस अभियान के तहत विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। भूजल सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी, आगरा ने भूजल जन-जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। यह प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग एवं भूजल के विनियमित दोहन

के संबंध में जागरूक करेगा।

इसके उपरंत भूपर्भ जल विभाग, खण्ड-आगरा द्वारा श्री रत्नमुनि जैन इंटर कॉलेज, लोहमंडी, आगरा में छात्र-छात्राओं की सहभागिता से जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अनिल कुमार वशिष्ठ तथा सीनियर जियोफ़िजिसिस्ट श्री शशांक शेखर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न करया गया। रैली में लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता, भूपर्भ जल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा विद्यालय के शिक्षकगण भी शामिल हुए।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जल संरक्षण संबंधी नारों एवं संदेशों के माध्यम से आमजन को जल बचाने का संदेश दिया। साथ ही प्रचार वाहन के माध्यम से तहसील सदर क्षेत्र में भूजल संरक्षण, प्रबंधन, विवेकपूर्ण उपयोग तथा विनियमित दोहन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

प्रशासन ने जनसामान्य से अपील की है कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाते हुए वर्षा जल संचयन को अपनाएं तथा भूजल के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भागीदारी निभाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें।

जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने हरी झंडी दिखाकर ‘भूजल सप्ताह’ का किया शुभारंभ, कलेक्ट्रेट से प्रचार वाहन किया खाना

भूजल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की तैयारी:16 से 22 जुलाई तक जनपद में ‘भूजल सप्ताह’ का होगा आयोजन

आगरा.16.07.2026.गिर ते

भूजल स्तर को रोकने और वर्षा जल संचयन को लेकर भूजल सप्ताह के तहत सात दिवसीय 16 से 22 जुलाई तक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प थीम पर केंद्रित यह अभियान ग्रामीण , शहरी क्षेत्रों में जिले की सभी पंचायतों, नगरीय निकायों सभी विभागों के समन्वय से संचालित किया जाएगा।

अभियान में नगर निगम, एडीए,विकास विभाग, पंचायती राज, लघु सिंचाई, सिंचाई, जल निगम, कृषि विभाग, उद्यान, बेसिक एवं माध्यमिक , उच्च शिक्षा तथा नगर निकायों सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से



अभियान का संचालन किया जाएगा

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि भूजल संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर दिया कि यदि वर्षा जल का अधिकतम संचयन और भूजल का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्भरण सुनिश्चित किया जाए तो भविष्य में जल संकट से काफी हद तक बचा जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तय कार्ययोजना के अनुसार कार्यवाही करने का प्रभावी संचालन करने के निर्देश दिए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 16 और 17 जुलाई को ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें ग्राम पंचायत सचिव नोडल अधिकारी रहेंगे। विद्यालयों में जल संरक्षण विषय पर शपथ ग्रहण, निबंध, चित्रकला, वाद-विवाद और अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। 18 और 19 जुलाई को विकास खंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जबकि 20 और 21 जुलाई को नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का समापन 22 जुलाई को जिला स्तरीय आयोजन के साथ होगा। रूपस्टॉप रेन वाटर हार्बोस्टिंग, जल स्रोतों के संरक्षण, पारंपरिक जल

संरचनाओं के पुनर्जीवन और भूजल रिचार्ज की तकनीकों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जाएगा। आमजन को घरों, विद्यालयों, कार्यालयों और सार्वजनिक भवनों में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने तथा जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान प्रतिदिन आयोजित कार्यक्रमों के फोटो, वीडियो और संक्षिप्त प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग और प्रलेखन सुनिश्चित किया जा सके। जनपद के वरिष्ठ भू-भौतिकविद शशांक शेखर ने बताया कि शासन की कार्ययोजना के अनुरूप भूजल सप्ताह के दौरान व्यापक जनभागीदारी के साथ अभियान चलाया जाएगा, जिससे जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़े और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल संसाधनों की मजबूत नींव तैयार हो सके।

आरटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के समय में आंशिक संशोधन, अब 17 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे से

मण्डलायुक्त सभागार में शुरू होगी ट्रेनिंग

सूचना का अधिकार अधिनियम-

2005 तथा 30प्र0 सूचना का

अधिकार नियमावली, 2015 में

निहित प्रावधानों के सम्बन्ध में

आयोजित होगा प्रशिक्षण।

आगरा (निज संवाददाता)। नोडल अधिकारी जनसूचना/अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) श्री अमरेंद्र कुमार वर्मा ने अवगत कराया है कि दिनांक 17 जुलाई 2026 को मण्डल एवं जनपद स्तरीय कार्यालयों में तैनात जनसूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के लिए आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के समय में अपरिहार्य कारणों से आंशिक संशोधन किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

तथा 30प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 में निहित प्रावधानों के सम्बन्ध में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि प्रमुख सचिव, 30प्र0 शासन, प्रशासनिक सुधार अनुभाग-2, लखनऊ तथा आयुक्त, आगरा मण्डल के निर्देशों के क्रम में पूर्व निर्धारित समय सायं 04:00 बजे से सायं 07:00 बजे के स्थान पर अब यह प्रशिक्षण दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम कल दिनांक 17 जुलाई 2026 को आयुक्त, आगरा मण्डल, आगरा के सभागार में सम्पन्न होगा, जिसमें प्रतिभागी अधिकारियों का पंजीकरण कार्य पूर्वाह्न 11:00 बजे से प्रारम्भ हो जाएगा। उन्होंने मण्डल और जनपद के सभी सम्बन्धित जनसूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे संशोधित समयानुसार कल दोपहर 12:00 बजे प्रशिक्षण में भाग लेने तथा पूर्वाह्न 11:00 बजे अपना पंजीकरण कराने हेतु अनिवार्य रूप से आयुक्त सभागार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

केन्द्रीय समिति ने धौलपुर में चम्बल बजरी के अवैध खनन-परिवहन की निगरानी व्यवस्था का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

धौलपुर (निज संवाददाता)। धौलपुर केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति के चेयरमैन चन्द्र प्रकाश गोयल एवं माननीय सदस्य अंजन मोहन्ती ने आज अपने धौलपुर भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रतिबंधित चम्बल बजरी के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन एवं धौलपुर पुलिस द्वारा की जा रही निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। समिति ने सर्वप्रथम अभय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का भ्रमण कर जिले में स्थापित सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क संवेदनशील मार्गों एवं चेक पोस्टों की रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा अवैध बजरी खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए अपनाई जा रही तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा समिति को निगरानी तंत्र, त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव उप वन संरक्षक वी चेतन आशीष



समिति को अवगत कराया कि प्रतिबंधित चम्बल बजरी के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम हेतु जिले में 24म7 निगरानी नियमित गस्त विशेष नाकाबंदी सीसीटीवी मॉनिटरिंग तथा पुलिस प्रशासन

वन परिवहन एवं खनिज विभाग के संयुक्त समन्वय से निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अभय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर के निरीक्षण उपरंत समिति द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतिबंधित चम्बल बजरी के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए अपनाई जा रही रणनीति विभागीय समन्वय निगरानी तंत्र प्रवर्तन कार्रवाई तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। समिति ने आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय तथा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध की जा रही सतत कार्रवाई की सराहना की। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि जिले में 24म7 निगरानी नियमित गस्त विशेष नाकाबंदी सीसीटीवी मॉनिटरिंग तथा पुलिस प्रशासन वन परिवहन एवं खनिज विभाग के संयुक्त समन्वय से

पांच दिवसीय विशेष अभियान के तहत धौलपुर में आयोजित हुआ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस

धौलपुर (निज संवाददाता)। जिले में गुरुवार को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (एमसीएचएनडी) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं धात्री माताओं तथा शिशुओं एवं बच्चों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराई गईं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि जिले में 15 जुलाई से संचालित पांच दिवसीय गर्भवती महिलाओं की सघन स्वास्थ्य जांच अभियान के अंतर्गत एमसीएचएनडी दिवस पर स्वास्थ्य संस्थानों एवं सत्र स्थलों पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) रक्तचाप वजन हीमोग्लोबिन रक्त शर्करा एवं मूत्र जांच सहित आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण



किए गए। साथ ही हाई रिस्क प्रेग्नेसी की पहचान कर आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफरल किया गया। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को टीडी टीकाकरण आयरन-फोलिक एसिड एवं कैल्शियम

की दवाओं का वितरण किया गया तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार व्यक्तिगत स्वच्छता संस्थागत प्रसव नवजात शिशु की देखभाल जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारंभ करने छः माह तक केवल मातृ दुग्ध पिलाने

प्रसवोत्तर देखभाल एवं परिवार नियोजन संबंधी परामर्श भी दिया गया। अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतनम मीणा एसीएमएचओ डॉ. गौरव मीणा तथा जिले के सभी खंड मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों एवं एमसीएचएन सत्र स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लक्ष्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, आवश्यक दवाओं एवं जांचों की उपलब्धता, टीकाकरण, रिकॉर्ड संधारण तथा सेवा गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया।

प्रधानमंत्री 17 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश को समर्पित करेंगे 75 पुनर्विकसित अमृत भारत स्टेशन

आगरा मंडल के अमृत भारत स्टेशन

डींग का भी होगा लोकार्पण

आगरा (निज संवाददाता)। भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में स्टेशन अपोसरचना के व्यापक आधुनिकीकरण की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जा रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 75 पुनर्विकसित अमृत भारत स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान के 08 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल का डींग रेलवे स्टेशन भी शामिल है। कार्यक्रम का आयोजन संबंधित स्टेशनों पर जनप्रतिनिधियों, जनसामान्य एवं रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इन स्टेशनों का पुनर्विकास केवल भवनों के आधुनिकीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इन्हें आधुनिक, सुरक्षित, सुगम, पर्यावरण अनुकूल एवं यात्री-केंद्रित परिवहन केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है। पुनर्विकास कार्यों में आकर्षक स्टेशन भवन, विस्तृत सर्कुलैटिंग एरिया, आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, आधुनिक साईनेज, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, हरित क्षेत्र, पार्किंग, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट तथा अन्य अनेक आधुनिक सुविधाओं का विकास किया गया है।

लगभग 15.24 करोड़ रुपये की लागत से किए गए इस विकास कार्य के उपचात स्टेशन को आधुनिक, यात्री-अनुकूल एवं सुविधासंपन्न स्वरूप प्रदान किया गया है।

डींग स्टेशन के पुनर्विकास में स्थानीय संस्कृति एवं क्षेत्रीय विरासत को विशेष महत्व दिया गया है। स्टेशन भवनों के फसाड,



कला एवं सौंदर्यीकरण कार्यों में स्थानीय स्थापत्य और सांस्कृतिक पहचान को समाहित किया गया है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का भी अनुभव प्राप्त होगा। स्टेशनों पर दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रैप, टैक्टाइल पाथ, व्हीलचेयर, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, लो-हाइट टिकट काउंटर, सुगम प्रवेश मार्ग एवं स्पष्ट दिशा-सूचक संकेतक उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त एलईडी प्रकाश व्यवस्था, सिस्टम, सार्वजनिक डबेकण प्रणाली, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, पेयजल व्यवस्था, अग्निशामन उपकरण तथा अन्य आधुनिक यात्री सुविधाएं भी विकसित की गई हैं।

बेहतर रेलवे अवसरचना से स्थानीय व्यापार, कृषि, पर्यटन, रोजगार एवं क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे की उस व्यापक सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से देशभर के रेलवे स्टेशनों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, समावेशी और विश्वस्तरीय परिवहन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। 17 जुलाई को होने वाला यह लोकार्पण कार्यक्रम भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पथर सिद्ध होगा।

‘चीतों के नाम पर करोड़ों का खेल ?’ कूनों में मीट सप्लाई से लेकर टेंडर तक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, कांग्रेस का बड़ा हमला; EOW जांच की मांग



कांग्रेस का दावा—20 किलो के बकरे को कामजा में दिया 80 किलो, फर्जी वजन और फर्जी भुगतान से करोड़ों के गबन का आरोप

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता
रथोपुर। देश-दुनिया में चीता परियोजना के कारण पहचान बना चुके कूनों राष्ट्रीय उद्यान पर अब करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगने से हड़कंप मच गया है। चीतों के लिए खरीदे जाने वाले बकरा और पाड़ा मीट की सप्लाई, टेंडर प्रक्रिया, फर्जी वजन और भुगतान को लेकर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (शहङ्ग) ग्वालियर में शिकायत दर्ज कराई गई है। वहीं कांग्रेस जिला इकाई रथोपुर ने इस पूरे मामले को लेकर पाली रोड स्थित कूनों होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर वन विभाग और कूनों प्रबंधन पर तीखा हमला बोला।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिला प्रवक्ता एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दौलतराम गुप्ता ने कहा कि कूनों में चीतों के संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये की सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस योजना को देश का गौरव बताया गया, उसी योजना में भ्रष्टाचार ने गहरी जड़ें जमा ली हैं।

‘20-30 किलो के बकरे को बना दिया 80 किलो’ कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि चीतों के लिए खरीदे जाने वाले जिन बकरों का वास्तविक वजन 20 से 30 किलो होता है, उनका सरकारी रिकॉर्ड में 40 से 80 किलो तक वजन दर्शाकर भुगतान किया गया। आरोप है कि इसी कथित हेराफेरी के जरिए लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रुपये का भुगतान कराया गया।

उनका कहना है कि यदि प्रत्येक बकरे की वास्तविक तौल और भुगतान का मिलान कराया जाए तो पूरे मामले का सच सामने आ जाएगा।

EOW को शिकायत, करोड़ों के गबन का आरोप आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) ग्वालियर को भेजी गई शिकायत में मोहम्मद ज़ीन कुरैशी ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2022 से लेकर अब तक मीट सप्लाई में लगातार अनियमितताएं होती रही हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि—
- कई मामलों में बिना टेंडर मीट की खरीदी की गई।
- बाद में टेंडर प्रक्रिया में भी कथित रूप से पक्षपात किया गया।

- टेंडर की शर्तों का पालन नहीं किया गया।
- प्रतियुद्धी टेंडरों को निरस्त कर एक ही सप्लायर को लाभ पहुंचाया गया।
- फर्जी वजन के आधार पर भुगतान किया गया।
- करोड़ों रुपये की शासकीय राशि का दुरुपयोग हुआ। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की EOW से विस्तृत जांच कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।
कांग्रेस का आरोप- ‘कूनों में भ्रष्टाचार चरम पर’

दौलतराम गुप्ता ने प्रेस वार्ता में कहा कि कूनों राष्ट्रीय उद्यान में भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि मीट सप्लाई में एक वर्ष के भीतर ही लगभग एक से डेढ़ करोड़ रुपये के भुगतान में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं।

उन्होंने कहा कि चीता परियोजना के लिए अब तक लगभग 700 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं उस अनुपात में दिखाई नहीं देतीं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में राष्ट्रपति के दौरे के दौरान भी करोड़ों रुपये खर्च दिखाए गए, जिसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

भाजपा सरकार पर साधा निशाना

प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है और कई विभागों में अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए तो कई बड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका उजागर हो सकती है।

ये हैं प्रमुख मांगें
कांग्रेस ने मांग की है कि—
- पूरे मीट सप्लाई प्रकरण की धहङ्ग या अन्य स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।
- वर्ष 2022 से अब तक हुए सभी टेंडरों की जांच हो।
- बकरा एवं पाड़ा सप्लाई के सभी बिल, भुगतान और तौल रजिस्टर की फॉरेंसिक जांच कराई जाए।

- यदि वि्वितीय अनियमितता सिद्ध होती है तो दोषियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर शासकीय राशि की वसूली की जाए।

अब सबकी नजर जांच एजेंसियों पर
कूनों राष्ट्रीय उद्यान देश की सबसे महत्वपूर्ण वन्यजीव परियोजनाओं में से एक है। ऐसे में यदि लगाए गए आरोपों में तथ्य पाए जाते हैं तो यह मामला केवल रथोपुर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का बड़ा आर्थिक घोटाला साबित हो सकता है। वहीं यदि आरोप निराधार हैं तो जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होना भी उतना ही आवश्यक है।

करैरा विधायक की जनचौपाल में हंगामा दूसरे विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों की नहीं सुनी शिकायत, नाराज पिता ने बच्चे को कार के बोनट पर रखा

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले की नरवर तहसील में आयोजित करैरा विधायक रमेश खटीक की जनचौपाल के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि पोहरी विधानसभा क्षेत्र के कुछ ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर जनचौपाल में पहुंचे थे, लेकिन विधायक ने उन्हें यह कहते हुए सुनवाई से मना कर दिया कि वे उनके विधानसभा क्षेत्र के निवासी नहीं हैं। इसके बाद ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। इसी दौरान एक व्यक्ति ने विरोध जताते हुए अपने मासूम बच्चे को विधायक की कार के गर्म बोनट पर रख दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को नरवर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में करैरा विधायक रमेश खटीक ने जनसमस्याओं के निराकरण के लिए जनचौपाल आयोजित की थी। इस दौरान पोहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नानकपुर और बरखाड़ी के कुछ ग्रामीण भी अपनी शिकायतें



लेकर पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विधायक रमेश खटीक ने ग्रामीणों से कहा कि वे उनके विधानसभा क्षेत्र के नहीं हैं, इसलिए उनकी समस्याओं पर वे सुनवाई नहीं कर सकते। इसके बाद ग्रामीणों ने नाराजगी जताई और कुछ देर तक वहाँ विवाद की

स्थिति बनी रही। बाद में अधिकांश ग्रामीण वापस लौट गए।

इसी दौरान बरखाड़ी निवासी जितेंद्र केवट और संतोष केवट अपने परिवार के साथ जनचौपाल पहुंचे। उनका आरोप था कि मछली पकड़ने के विवाद में ठेकेदार द्वारा मारपीट की गई और पुलिस

‘भाजपा गाय को भूल गई, राजमाता का दर्जा दो वरना होगा बड़ा आंदोलन’ - नागाजी महाराज

धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार

मुरैना, बानमौर बाड़गंगा स्थित नागाजी आश्रम में गुरुवार को पूज्य नागाजी महाराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा गाय के नाम पर वोट लेकर सत्ता में आई थी, लेकिन सत्ता मिलते ही गाय को भूल गई।

महाराज ने कहा कि पूरे मध्य प्रदेश में अवैध कल्लखाने धड़ल्ले से चल रहे हैं और रोजाना हजारों गायों का कल्ल हो रहा है। सरकार गौ रक्षा के नाम पर सिर्फ दिखावा कर रही है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश में सभी अवैध कल्लखाने तुरंत बंद किए जाएं और गौ तस्करी पर सख्त कानून बनाया जाए। नागाजी महाराज ने धार्मिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में गुरुद्वारा, मस्जिद और चर्च सस्कार



विजयपुर में बच्चों की जान से खिलवाड़!

स्कूल वैन में 20 से 30 बच्चों को दूंसकर भर रहे संचालक, जर्जर ग्रामीण सड़कों पर रोज दौड़ रहे मौत के वाहन

क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर स्कूल पहुंचा रहे निजी स्कूल, अभिभावकों में बढ़ी चिंता, प्रशासन से कार्रवाई की मांग।

श्योपुर/विजयपुर। विजयपुर क्षेत्र में निजी स्कूलों द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। आरोप है कि कई निजी स्कूल संचालक परिवहन नियमों को ताक पर रखकर स्कूल वैन में क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर गांवों से स्कूल तक ला रहे हैं। एक-एक वैन में 20 से 30 बच्चों को दूंसकर बैठाने की शिकायतें सामने आने के बाद अभिभावकों में भारी नाराजगी है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र की अधिकांश सड़कें पहले से ही जर्जर और गाड़ों से भरी हुई हैं। ऐसे में ओवरलोड स्कूली वाहन इन सड़कों पर रोजाना दौड़ रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बावजूद इसके जिम्मेदार स्कूल संचालक बच्चों की सुरक्षा की बजाय अधिक मुनाफा कमाने पर ध्यान दे रहे हैं।

रोज दांव पर लग रही मासूमों की जिंदगी : ग्रामीणों के अनुसार सुबह और दोपहर के समय कई स्कूल वैन में बच्चों को इतनी अधिक संख्या में बैठाया जाता है कि कई बच्चे सीटों पर जगह न मिलने के कारण एक-दूसरे से सटकर बैठने को मजबूर होते हैं। वाहन में न तो पर्याप्त जगह रहती है और न ही किसी प्रकार के सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। गर्मी और उमस में बच्चों को सांस लेने तक में परेशानी होती है।

जर्जर सड़कें बढ़ा रही खतरा : विजयपुर क्षेत्र के कई ग्रामीण मार्ग वर्षों से बहाल हैं। गड्ढों से भरी सड़कों पर ओवरलोड वैन के गुजरने से हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी वाहन का संतुलन बिगड़ जाए तो बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता।

नियमों की उड़ रही धज्जिया : परिवहन नियमों के अनुसार स्कूली वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई निजी स्कूलों द्वारा नियमों की अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।



अभिभावकों की मांग

क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन, परिवहन विभाग और शिक्षा विभाग से मांग की है कि विजयपुर क्षेत्र में संचालित सभी स्कूल वैनों का विशेष जांच अभियान चलाया जाए। क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने वाले स्कूलों और वाहन संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जनता के सवाल क्या स्कूल संचालकों के लिए बच्चों की सुरक्षा से ज्यादा मुनाफा जरूरी है?, क्या परिवहन विभाग स्कूल वाहनों की नियमित जांच कर रहा है?, यदि हादसा हुआ तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? , क्या प्रशासन समय रहते कार्रवाई करेगा या किसी बड़े हादसे का इंतजार है?

मुरैना: कुएं में मोबाइल निकालने के प्रयास में युवक की मौत, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप



मुरैना। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र स्थित श्यामपुर खुर्द गांव के रहने वाले शिवकुमार उपाध्याय की कुएं में गिरने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक का मोबाइल फोन रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित ‘खाकी बाबा की बगिया’ के कुएं में गिर गया



था। उसे निकालने के प्रयास में वे अचानक अनियंत्रित होकर गहरे कुएं में समा गए घटना की सूचना मिलने पर स्टेशन रोड थाना पुलिस और एसडीईआरएफ (सहजन्म) की टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर रेस्क्यू

ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश युवक को बचाया नहीं जा सका इस हृदयविदारक हादसे के बाद आक्रोशित परिवर्जनों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। ख्बजनों का कहना है कि यदि बचाव दल और अधिक तत्परता दिखाता, तो शायद शिवकुमार आज जीवित होते। परिजनों ने प्रशासन से इस पूरी घटना की निष्पक्ष जाँच और दोषियों पर कार्रवाई की माँग की है।

दीपेन्द्र बोहरे -

भिण्डा विगत दिवस नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर पालिका परिषद भिण्ड के मुख्य नगर पालिका अधिकारी यशवंत वर्मा को तत्काल प्रभाव से हटाकर संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय ग्वालियर में सलनन कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद शहर की जनता और जागरूक नागरिकों के बीच एक नई बहस छिड़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यशवंत वर्मा भिण्ड नगर पालिका के इतिहास के उन चुनिंदा अधिकारियों में से थे, जो सुबह से लेकर शाम तक अपने दफ्तर में बैइकर जनता की समस्याएं सुनते थे। इससे पहले शायद ही कोई अधिकारी इतनी पाबंदी से नगर पालिका कार्यालय में मौजूद रहता था। जनता के प्रति



उनका यह समर्पण ही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

शहरवासियों का सवाल: क्या पहले कभी नहीं हुआ जलभराव?

कार्रवाई के पीछे शहर में हुए जलभराव और कुछ अन्य प्रशासनिक कमियों को आधार बनाया जा रहा है। लेकिन शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का पूछना है कि क्या भिण्ड में पहली बार जलभराव हुआ है? पूर्व के अधिकारियों और पूर्व जनप्रतिनिधियों (विधायक व कलेक्टर) के

कार्यकाल में भी शहर ने भारी जलभराव और बढहाली झेली है, लेकिन तब किसी पर ऐसी गाज नहीं गिरी।

विरोधियों निशाने पर थे सीएमओ चर्चा है कि अपनी ईमानदारी और सख्त कार्यशैली के कारण

सीएमओ यशवंत वर्मा कुछ रसूखदारों और विरोधियों की आंखों की किर्किरी बन गए थे। सूत्र बताते हैं कि विरोधियों और मीडिया के एक धड़े ने मिलकर उन्हें सोची-समझी रणनीति के तहत टारगेट किया। जब शहर की बुनियादी समस्याओं के लिए सीटी लीर पर पूर्व के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक मुखिया भी उतने ही जिम्मेदार रहे हैं, तो सारा ठीकरा अकेले एक कर्मठ सीएमओ पर फोड़ना न्यायसंगत नहीं लगता।

निष्पक्षता पर उठ रहे हैं सवाल

वर्तमान कार्रवाई के बाद नगर पालिका की कार्यप्रणाली और शहर के विकास को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जनता का मानना है कि जो अधिकारी फील्ड में काम कर रहा था और जनता के लिए उपलब्ध था, उसे द्वेषभावना का शिकार बनाया गया है। अब देखना यह होगा कि इस प्रशासनिक फेरबदल के बाद भिण्ड शहर की व्यवस्थाओं में क्या सुधार आता है।

माय भारत सघन पंजीयन अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

- कार्यशाला में विद्यार्थियों का हुआ पंजीयन

भिण्ड (निज संवाददाता)। कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा के निर्देशानुसार माय भारत केन्द्र भिण्ड एवं राष्ट्रीय सेवा योजना शा. उत्कृष्ट उमावि क्र.एक भिण्ड के संयुक्त तत्वावधान में माय भारत सघन पंजीयन अभियान के अंतर्गत विद्यालय के सेमिनार हॉल में माय भारत पोर्टल पंजीयन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पीएस चौधन, जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू, रासेयो की जिला संगठक डॉ. अनिता बंसल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धीरज सिंह गुर्जर, शासकीय शिक्षिका प्रीति व्यास एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे।

अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल से जुड़ कर राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा एवं नेतृत्व विकास से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि माय भारत युवाओं को स्वयंसेवा, कौशल विकास एवं समाजहित के कार्यों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण



राष्ट्रीय मंच है। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू ने प्रोजेक्टर के माध्यम से माय भारत पोर्टल का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने पोर्टल के उद्देश्य, युवाओं को मिलने वाले अवसरों, पंजीयन प्रक्रिया एवं विभिन्न स्वयंसेवी गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। साथ ही लाइव डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन पंजीयन की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई गई, जिससे छात्र-छात्राओं ने आसानी से पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया।

कार्यशाला के दौरान 50 छात्र-छात्राओं का माय भारत पोर्टल पर सफलतापूर्वक पंजीयन कराया गया।

विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भविष्य में माय भारत के माध्यम से सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पौधरोपण किया गया तथा सभी प्रतिभागियों से पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प दिलाया। विद्यालय प्रशासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने माय भारत केन्द्र भिण्ड के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता एवं युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।



भिण्ड (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल, सीएसपी निरंजन सिंह राजपुत के मार्गदर्शन तथा देहात थाना प्रभारी निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत गुरुवार को गीतांजली हॉल बदीप्रसाद की बगिया में जन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं की नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, नशे की रोकथाम हेतु जनसहभागिता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज का निर्माण करना है। इसी क्रम में थाना

देहात द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत गीतांजलि हॉल बदीप्रसाद की बगिया से प्रारंभ होने वाली जगन्नाथ रथ शोभायात्रा से पूर्व बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को नशामुक्ति के संबंध में जागरूक किया गया। वक्ता उपनिरीक्षक विजय शिहवरे ने जनसमुदाय को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में भी बाधक बनता है। नशे की लत से अपराध, सड़क दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा तथा आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं बढ़ती हैं। कार्यक्रम के

दौरान नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। युवाओं से विशेष रूप से कहा कि वे खेल, शिक्षा, रोजगार एवं सकारात्मक गतिविधियों को अपनाकर अपने जीवन को सफल बनाएं तथा किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहें। इस अवसर पर निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत, उपनिरीक्षक विजय शिवहरे, प्रधान आरक्षक गुरुदास सोही, आरक्षक गिरांज यादव सहित थाना देहात भिण्ड का पुलिस बल उपस्थित रहा।

न्यायालय का आदेश : तत्कालीन नायब तहसीलदार, पटवारी और सचिव सहित 7 लोगों पर एफआईआर दर्ज करें

भिण्ड (निज संवाददाता)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निधि नीलेश श्रीवास्तव की अदालत ने एक बड़ा कदम उठाते हुए तत्कालीन नायब तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समेत कुल 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश थाना प्रभारी सिटी कोतवाली भिंड को भेजा गया है। जानकारी के अनुसार अदालत में लंबित अपंजीकृत परिव्राद क्र.283/2026 (गौरव शर्मा विरुद्ध विमल यादव आदि) में परिव्रादी के आवेदन को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने यह सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 175(3) के तहत आवेदन स्वीकार कर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं (336(2), 336(3), 340(1), 340(2)) के अंतर्गत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

इन लोगों के खिलाफ जारी हुआ आदेश : मोहनलाल शर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार वृत्त ऊमरी, कल्लू यादव निवासी यादवन का पुरा थाना ऊमरी, आशुतोष सिंह यादव उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम रूर थाना ऊमरी, शेरसिंह यादव उम्र 48 वर्ष तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत बिलाव, संजीव शर्मा उम्र 50 वर्ष तत्कालीन पटवारी मौजा बिलाव, रजनी जादीन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निवासी यादवन का पुरा बिलाव, राजकुमार दुबे उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम बिलाव थाना ऊमरी हैं।

तुरंत एफआईआर पंजीकृत करें : एडवोकेट गौरव भारद्वाज ने बताया कि न्यायालय ने भिण्ड कोतवाली पुलिस को आदेशित किया है कि वे उक्त सभी अभिपुक्तों के विरुद्ध तुरंत प्राथमिकता के आधार पर एफआईआर पंजीकृत करें और इसकी सूचना जल्द से जल्द अदालत में प्रस्तुत करें। यह आदेश 15 जुलाई को जारी किया गया है।

तीन हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिला अस्पताल भिण्ड में एम्बुलेंस की गाड़ी चलाने के विवाद के मामले में थाना शहर कोतवाली पुलिस ने तीन हजार रुपए की इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार 20 जनवरी 2025 को फरियादी ने शिकायत की कि जिला अस्पताल भिण्ड में एम्बुलेंस की गाड़ी चलाने के ऊपर फरियादी व आरोपियों का विवाद चल रहा था, आरोपियों ने फरियादी को एम्बुलेंस चलाने के लिए 5 हजार रुपए महीना बसुली के देने का दबाव बनाया। जिस पर फरियादी के द्वारा आरोपियों को 3 हजार रुपए दिए, फिर भी आरोपियों ने फरियादी को एम्बुलेंस नहीं चलाने दी तथा और अधिक पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी। जिस पर से फरियादी द्वारा थाने में शिकायत की गई। जिस पर से अपराध क्र.33/25 धारा 308(5), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया व पुलिस अधीक्षक ने आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु प्रत्येक आरोपी पर तीन-तीन हजार रुपए का इमान की घोषणा की थी। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा व एएसपी प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन एवं सीएसपी निरंजन सिंह राजपुत के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया। इसी तात्पर्य में बुधवार को प्रकरण के आरोपी की तलाश हेतु रवाना टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि उक्त आरोपी मेला ग्राउण्ड कोम्प्लेक्स के पास बायपास रोड पर घूम रहा है, मुखबिर की सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मुखबिर के बताए अनुसार प्रकरण सदर के आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिन्हें न्यायालय पेश कर जेल दाखिल किया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक देवीनंद अनुरागी, गणेश तोमर, आरक्षक सौरभ शर्मा, अभियेक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

अमृत भारत स्टेशन योजनांतर्गत पुनर्विकसित भिण्ड रेलवे स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

भिण्ड (निज संवाददाता)। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित भिण्ड रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने हेतु मण्डल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर विकसित यात्री सुविधाओं, सौदीयकीकरण कार्यों तथा उद्घाटन कार्यक्रम से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक ने स्टेशन भवन के आकर्षक फसाद, प्रवेश एवं निकास द्वार, प्रतीक्षालय, टिकट बुकिंग क्षेत्र, प्लेटफार्म, सफ़्टिलेटिंग एरिया, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था, साइनेज तथा स्वच्छता की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व सभी कार्य निश्चित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए प्रत्येक सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध रहे।

उन्होंने सुरक्षा, संरक्षा एवं यात्री सुविधा से जुड़े सभी पहलुओं को समीक्षा करते हुए कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान यात्रियों



एवं आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। स्टेशन परिसर की स्वच्छता, सौदीयकीकरण, यातायात प्रबंधन तथा आवश्यक संकेतकों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भिण्ड रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। पुनर्विकसित स्टेशन स्थानीय विरासत एवं

आधुनिक अधोसंरचना का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार एवं क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

आज सांसद करेगी रेलवे स्टेशन पर अमृत योजना का उद्घाटन

सांसद संस्था राय विकसित एवं समृद्ध भारत को आत्मनिर्भर बनाने और विकास की दिशा से जोड़ने के लिए भिण्ड रेलवे स्टेशन पर अमृत योजना का उद्घाटन 17 जुलाई को अपराह्न दो बजे करेंगी। भारतीय रेलवे देशभर

में आधुनिक, सुरक्षित और सुगम रेल सेवाओं का विस्तार करने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं के निरंतर उन्नयन के लिए सतत कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प भारतीय रेलवे के स्टेशनों, ट्रेनों, पटरियों और एंव जा चुका है। सिमलिंग प्रणाली को विश्व में सर्वश्रेष्ठ बनाना है। देशभर में अब तक 261 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा चुका है। इसी क्रम में 17 जुलाई को देश के पुनर्विकसित स्टेशनों के साथ-साथ भिण्ड रेलवे स्टेशन पर भी

यूपी का गेहूं भिण्ड में बिका, समर्थन मूल्य पर हुआ करोड़ों का घोटाला : डॉ. सिंह

-पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने पत्रकार वार्ता में प्रशासनिक अधिकारियों पर लगाए आरोप

भिण्ड (निज संवाददाता)। भाजपा नेताओं

और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश से गेहूं लाकर जिले की सहकारी समितियों में फर्जी पंजीयन के जरिए समर्थन मूल्य पर खरीदी कराई गई। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गोविंद सिंह ने शहर के बायपास रोड स्थित टिकसरा में आयोजित प्रेसवार्ता में यह आरोप लगाए। उन्होंने इसे करोड़ों रुपये का कथित घोटाला बताया है हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश से गेहूं लाकर उसे भिण्ड जिले के किसानों के नाम पर ऊमरी क्षेत्र निवासी फरियादी ने अपने 15 वर्षीय नाती को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने की शिकायत की थी, जिस पर थाना ऊमरी में अपराध क्र.152/2026 धारा 137 (2) बीएनएस कायम किया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया। प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा अग्रहत की तलाश हेतु लगातार प्रयास किए गए। तकनीकी साधनों के आधार पर पुलिस टीम ने बुधवार को अग्रहता को सफ़रुल दस्तयाब कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपांत अग्रहता को उसके माता-पिता को सुपुर्द कर दिया। इस कार्रवाई में निरीक्षक ध्यानेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक सोनेन्द्र सिंह, आरक्षक देवेन्द्र सिंह, राजू यादव, गौरव बैस, नीलेश तोमर एवंनिधि परमार की विशेष भूमिका रही।



की जानी चाहिए।

कलेक्टर ईमानदार, लेकिन दबाव में क्यों? : पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने भिण्ड कलेक्टर की कार्यगणाली को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भिण्ड कलेक्टर की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कानून के दायरे में लाना आवश्यक है। यदि इस मामले में समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में भी इस तरह की कथित अनियमितताओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य संबंधित व्यक्ति चाहे किसी भी पद पर हों, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई

करनी चाहिए।

निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग, कांग्रेस करेगी आंदोलन : डॉ. गोविन्द सिंह ने आरोप लगाया कि प्रशासन मामले में लीपापोती करने में जुटा है। छोटे कर्मचारियों और किसानों को बलि का बकरा बनाकर बड़े अधिकारियों को क्लीन चिट देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने प्रमुखता से मांग की है कि इस पूरे उपाजर्ज घोटाले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर सक्रिय अवैध उपाजर्ज सिंडिकेट के असली संरक्षकों को बेनकाब किया जाए। यदि प्रशासन ने केवल एकतरफा कार्रवाई बंद नहीं की

और असली दोषियों पर शिकंजा नहीं कसा, तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर उा आंदोलन करेगी।

क्या है पूरा मामला? : गौतल्लव है कि भिण्ड जिले के लहार और रौन क्षेत्र सहित सीमावर्ती इलाकों में पिछले कुछ समय से फर्जी किसानों के नाम पर बाहरी अनाज खपाने और कागजों पर बड़ी खरीदी दिखाने के मामले लगातार सामने आए हैं। पुलिस ने हाल ही में कुछ सोसाइटीयों के प्रबंधकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और फर्जी किसानों पर एफआईआर दर्ज की है, जिसे कांग्रेस बेहद नाकाफी बताते हुए मुख्य योजनाकारों और बड़े विभागीय अधिकारियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रही है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरा पुत्र शिवप्रताप सिंह यादव पुत्र श्री सुनील सिंह यादव नया नाम हैं मैं यह घोषणा करता हूँ। कि मेरे पुत्र का पुराना नाम कान्हा पुत्र श्री सुनील सिंह यादव था, अब मैं अपने पुत्र का पूर्व कुल नाम कान्हा को छोड़कर नया कुल नाम शिवप्रताप सिंह यादव रख रहा हूँ। अब सभी लोग मेरे पुत्र को शिवप्रताप सिंह यादव के नाम से ही जाने व पहचाने तथा इसी नाम से पुकारा जाये। आमजन सुचित हो। यह आम सूचना मेरें पुत्र के सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यों में काम आवे । मेरे पुत्र का आधार कार्ड नं 2215 83511268

सूचनाकर्ता

सुनील सिंह यादव श्री वीरेन्द्र सिंह यादव

निवासी- क्वाटर नं 55 पोलीस लाइन मुरैना जिला मुरैना म0प्र0

आधार नं 2570 8452 0683

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टैन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी00-सी-2026-167 | अनुमानित लागत: ₹ 35856431.35

कार्य का नाम: **पार्ट ए:-**इम्प्रोवैमेंटी ऑफ स्टाफ कुँर्टेर्स एट बबीना, तालबेहट, बिजराँठा एंड ललितपुर रेलवे कॉलोनी अंडर एडीईएन/ललितपुर। **पार्ट बी:-** रिप्लेसमेंट ऑफ एक्सिस्टिंग पाइप लाइन फ्रॉम गोविन्द सागर डैम टू मेन गेट ऑफ डैम एट ललितपुर अंडर एडीईएन/एम/ललितपुर सब डिवीजन।

अमानत राशि: ₹ 717100.00 | निविदा बन्द होने की तिथि: 13.08.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह

निविदा दिनांक 13.08.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देख।

North central railways

@CPRONCR

www.ncr.indianrailways.gov.in

धार जिले के पीएम मित्र पार्क में 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गारमेंट सेक्टर में देश का सबसे बड़ा पीएम मित्र पार्क है मध्यप्रदेश में
मध्यप्रदेश की प्रतिबद्धता और उद्यमियों के हौसले से मिल रहे अठ्ठे परिणाम
भारत मंडपम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किमध्यप्रदेश में गारमेंट सेक्टर में धार जिले का पीएम मित्र पार्क देश का सबसे बड़ा मित्र पार्क है। इसमें 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित हो चुके हैं। यह एक उपलब्धि है। पारंपरिक वस्त्र निर्माण और कपास उद्योग कई दशकों से भारत की पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2026 में टेक्सटाइल, गारमेंट और फुटवियर इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की संभावनाओं और क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 17 सितंबर 2025 को मध्यप्रदेश के धार को देश के पहले पीएम मित्र पार्क की सीमात दी। गारमेंट सेक्टर के इस पार्क के भूमि-पूजन के साथ ही यहाँ 9० प्रतिशत भू-खंडों का आवंटन भी पूरा कर लिया गया। यह एक रिकॉर्ड है और काम के प्रति राज्य सरकार की दक्षता प्रकट करती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि धार जिले में पीएम मित्र पार्क के आसपास भी निवेशक अब उद्योग स्थापित करने के लिए जमीन की मांग कर रहे हैं। प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूलता, कच्चे धागे के लिए माल की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर मध्यप्रदेश

विंध्य के लिए ‘भगीरथ’ बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश की सबसे लंबी जल-सुरंग
स्लीमनाबाद टनल का शुक्रवार को करेंगे निरीक्षण
17 वर्षों की कठिन भू-गर्भीय चुनौती के बाद अंतिम चरण में पहुंची 11.952 किमी लंबी सुरंग नर्मदा का जल गुरुत्वाकर्षण से पहुंचेगा विंध्य के खेतों तक
6 जिलों के 1450 गांवों और 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को मिलेगा स्थायी सिंचाई लाभ

भोपाल (निज संवाददाता)। मध्यप्रदेश के सिंचाई इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल स्लीमनाबाद जल-सुरंग अब पूर्णता के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को कटनी जिले में देश की सबसे लंबी और तकनीकी रूप से सबसे जटिल जल-सुरंग का निरीक्षण करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विंध्य पर्वतमाला के भीतर से नर्मदा के जल को गुरुत्वाकर्षण के आधार पर सोन नदी के कछहर तक पहुंचाने वाली देश की अत्यु्दी इंजीनियरिंग उपलब्धि है। इसके पूरा होने के साथ ही जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना के करीब 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे विंध्य और महाकौशल क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मध्यप्रदेश के विकास में एक खगिर्म अध्याय जोड़ने और विंध्य की सदियों प्यासी धरती को सींचने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं भगीरथ बनकर मैदान में उतर आए हैं। कटनी जिले में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित की जा रही देश की सबसे लंबी और सबसे जटिल जल-सुरंग , यानी स्लीमनाबाद टनल, अब अपनी पूर्णता की ओर है। इसका जमीनी जाज्जा लेने में मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को स्लीमनाबाद पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील और उच्च-स्तरीय दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण भर नहीं है, बल्कि यह विंध्य और महाकौशल के लाखों किसानों के आंन में समृद्धि, खुशहाली और लहलहाती फसलों के नए युग का शंखनाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी संकल्प और अटूट इच्छाशक्ति के बल पर सत्रह वर्षों की भू-गर्भीय जंग को जीतकर आज नर्मदा मैया का विंध्य की धारा पर उतरने का स्वप्न साकार होने जा रहा है।

भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वसनीयता विश्व भर में : ज्ञानेश कुमार

मुрадबाद, 16 जुलाई (हि.स.)। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वभर में विश्वसनीयता है और अनेक देशों के प्रतिनिधिमंडल इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करने भारत आते है। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी पारदर्शिता और बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था है।

यह बातें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को उर प्रदेश के मुरादबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में चुनाव में लगे बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा भी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत की विशिष्ट निर्वाचन प्रणाली की विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी सत्र में उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से संवाद करते हुए हलत में हुए चुनावों में बड़ी मतदाता भागीदारी, निष्पक्ष मतदान, पारदर्शी मतगणना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के विषय के 35 सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों के समूह इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल अडिस्टेंस (इंटरनेशनल आईडीईए) की अध्यक्षता वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से लेकर मतदान एवं मतगणना तक प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनी रहती है।



निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। प्रदेश की बढ़ती निर्यात क्षमता और रोजगार सृजन की शक्ति से दुनिया परिचित हो रही है। गारमेंट सेक्टर में निवेशकों की पहल और उद्यमियों का हौसला सराहनीय है।

1592 करोड़ रुपए के मिले प्रस्ताव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टेक्सस्टाइल क्षेत्र में आए निवेश प्रस्तावों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत टेक्स 2026 में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से 1592 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन से 15 हजार 700 लोगों को रोजगार प्राप्त

होगा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह के साथ देश के उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड्स के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जहां टेक्ससाइल एंड अपरेल सेक्टर की वैल्यू चेन उपलब्ध है। कपास से धागा तैयार करने, गारमेंट निर्माण और मशीनरी की उपलब्धता मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाती है। जैविक कपास के उत्पादन में भी मध्यप्रदेश नंबर वन है। राज्य में केवल कपास का उत्पादन ही नहीं, बल्कि फॉर्म टू फैशन तक इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। मध्यप्रदेश से 11 हजार 750

राशि व्यय की गई है।

भौतिक प्रगति के नये कीर्तमान और शत-प्रतिशत पूर्णता: सरकार की इसी अनवरत वित्तीय और तकनीकी मदद का सुखद परिणाम है कि आज इस पूरे अनुबंध का 96.66 प्रतिशत भौतिक कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना के तहत आने वाली 12.135 किलोमीटर लंबी ओपन कट नहर और 11.952 किलोमीटर लंबी मुख्य ऐतिहासिक जल-सुरंग का भौतिक निर्माण शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, कट एंड कवर तकनीक से बनाई जा रही 0.913 किलोमीटर नहर का भी 0.725 किलोमीटर हिस्सा पूरा कर लिया गया है और अब केवल नाममात्र का 0.188 किलोमीटर का काम शेष है, जिसे अंतिम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ाया जा रहा है।

विंध्य और महाकौशल के 5 जिलों में समृद्धि : यह विशाल जल-सुरंग देश की पहली ऐसी इंजीनियरिंग मिसाल बनने जा रही है, जहां 10.14 मीटर व्यास की टनल से लाखों क्यूसेक नर्मदा जल बिना किसी बिजली या भारी पंपों के, केवल प्राकृतिक गुरुत्वाकर्षण यानी ग्रेविटी फोर्े के सहारे बहेगा। बरगी दायीं तट मुख्य नहर के माध्यम से जबलपुर, कटनी, सतना, मैहर, रीवा और पन्ना जिलों के लगभग 1450 गांवों की 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर भूमि हमेशा के लिए सिंचित हो जाएगी। टनल के क्रियाशील होते ही बिना किसी क्षति के पूरी सुसुखा के साथ पूर्ण कर कटनी जिले की 21 हजार 823 हेक्टेयर, मैहर जिले की 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना जिले की 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, रीवा जिले की 3 हजार 84 हेक्टेयर और पन्ना जिले की 448 हेक्टेयर सुखी भूमि को हरा-भरा जीवन मिल जाएगा।

समयबद्ध रोज़पैयें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में टनल के बाद के सभी आठ गुणों का काम इस समय पूरी ताकत से चल रहा है। इस सजग मॉनिटरिंग के चलते मार्च 2026 तक ही 44 हजार 160 हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता की धरातल पर उतारकर किसानों को लाभान्वित करना शुरू कर दिया गया है। राज्य सरकार ने इसके बाद का भी पूरा रोज़पैय तैयार कर लिया है, जिसके तहत दिसंबर 2026 तक 87 हजार 433 हेक्टेयर और दिसंबर 2027 तक कुल 1 लाख 54 हजार 693 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्लीमनाबाद की एक टनल का निर्माण विंध्य के माथे पर हमेशा के लिए खुशहाली और समृद्धि का लिलक लगाने का एक ऐतिहासिक क्षण साबित होने जा रहा है।

जगन्नाथ रथयात्रा सनातन सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक समरसता का प्रतीक: राजनाथ

नई दिल्ली, 16 जुलाई (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भारत की सनातन सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक समरसता एवं लोककल्याण की भावना का प्रतीक है।

राजनाथ ने गुरुवार को यह बात त्यागराज नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के तलावथान में निकाली गयी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान कही। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर राष्ट्र की समृद्धि, शांति, प्रगति तथा सभी नागरिकों के सुख-समृद्ध जीवन की कामना की। इस दौरान सांसद बांसुरी भी मौजूद रहें।

राजनाथ ने सभी श्रद्धालुओं एवं देशवासियों को रथयात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद समस्त देशवासियों पर बना रहे तथा भारत निरंतर विकास, समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व के पथ पर अग्रसर रहे। ऐसे



धार्मिक एवं सांस्कृतिक आगोजन समाज में एकता, सद्भाव और सेवा के मूल्य को सुदृढ़ करते हैं तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सांसद स्वराज ने कहा कि जगन्नाथ रथयात्रा भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का महापर्व है। ऐसे आगोजन

करोड़ का टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निर्यात हुआ है। हमारी टेक्सटाइल इंडस्ट्री अमेरिका, बांग्लादेश, जापान, जर्मनी, विएतनाम, इटली, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में विशेष पहचान बना रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल एवं गारमेंट के सैकड़ों उद्योग संचालित हो रहे हैं। एमएसएमई यूनिट्स की संख्या भी 43 हजार से अधिक हो चुकी है। इस क्षेत्र में 2400 करोड़ रुपए के निवेश के फलस्वरूप 3 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। धार के पीएम मित्र पार्क से 20 हजार करोड़ से अधिक निवेश का आना और 30 बड़ी कंपनियों का आगमन महत्वपूर्ण है। पीएम मित्र पार्क से अंचल के कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा।

मध्यप्रदेश निवेश का रिकार्ड तोड़ेगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश टेक्सटाइल, गारमेंट और फुटवियर सेक्टर में आकर्षक नीतियों से विशेष पहचान बना रहा है। राज्य में उद्योगों को आर्थिक सस्बिडी, बिजली आपूर्ति, भूमि आवंटन, स्टॉप ड्युटी में छूट से निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। राज्य में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, कौशल विकास प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम हो रहा है। मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने और अपनी विशेषताओं के कारण दुनियाभर के निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में मध्यप्रदेश को प्राप्त निवेश प्रस्ताव में से लगभग 10 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर आ चुका है। वर्ष 2027 में फिर जीआईएस का आयोजन होगा, उम्मीद है कि इसमें निवेश का रिकॉर्ड टूटेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उद्यमियों को साढ़े पांच हजार करोड़ की सस्बिडी राशि डीवीटी के

माध्य से दी जा चुकी है।

छोटे शहरों में औद्योगिक विकास की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई, जिससे छोटे शहरों में भी औद्योगिक विकास हुआ है। नर्मदापुरम में 11 हजार 500 करोड़ से निवेश से नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है। रीवा में आईटी पार्क शुरू हो रहा है। ग्वालियर, जबलपुर, सिंगरौली, सतना, कटनी और सागर में इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। शिवपुरी को डिफेंस पार्क और गुना को बड़े सीमेंट प्लांट की सीमात मिली है। वर्तमान में प्रदेश में 37 से अधिक इंडस्ट्रियल पार्क संचालित हैं। मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और गारमेंट के साथ उद्योग के अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहा है। राज्य में पर्याप्त मात्रा में कपास और रेशम उत्पादन हो रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव मॉडल की सराहना की है।

किसान, बिजली उत्पादन में बने सहयोगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने गैर-जल्दगी खच्चों को कम करते हुए वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपने वाकफि बजट में बढ़ोतरी की है। पहले सरकार किसानों को 20 हजार करोड़ की पहले सस्बिडी देती थी, इसके स्थान पर सोलार एनर्जी को प्रोत्साहन प्रदान करते हुए किसानों को सोलर पंप दिए जा रहे हैं। किसान अपनी जरूरत की बिजली का स्वयं उत्पादन कर रहे हैं। जरूरत से अधिक बिजली को राज्य सरकार खरीद भी रही है। नदी जोड़े परियोजनाओं के माध्यम से जल बंटवारे को नई दिशा दी गई है। मध्यप्रदेश सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ परस्पर संबंधों को बेहतर करते हुए पर्यटन को बढ़ावा दे रही है।

‘फैथ कॉन्क्लेव-2026’ में मध्यप्रदेश की दमदार उपस्थिति



प्रधानमंत्री श्री मोदी का प्रेरणा वाक्य ‘एमपी अजब है, सबसे गजब है’ मध्यप्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य, इतिहास और संस्कृति का सजीव चित्रण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन और निवेश का विज्ञन किया प्रस्तुत
वैश्विक निवेशकों को दिया मध्यप्रदेश में निवेश का आमंत्रण, पर्यटन क्षेत्र में नई साझेदारियों पर जोर

भोपाल (निज संवाददाता)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरणा वाक्य ‘एमपी अजब है, सबसे गजब है’ मध्यप्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य, इतिहास और संस्कृति का सजीव चित्रण है। यह हमें पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली में देश के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन **ब्रह्मडू**। कॉन्क्लेव-2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की ‘जो कहते हैं, वो करते हैं’ की कार्यशैली के कारण आज भारत वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर रहे थे। उनका मंत्र ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास’ हमारी नीतियों का आधार स्तंभ है, जिससे विकास समाज के हर वर्ग तक पहुंचे रहा है।

FAITH कॉन्क्लेव में ‘मध्यप्रदेश : द हार्ट ऑफ इन्फ्रेड्रवल इंडिया’ विषय पर आयोजित विशेष सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य को देश का अग्रणी पर्यटन एवं निवेश गंतय बनाने के लिए पूरा तरह संकल्पित है। पिछले एक साल में 13 करोड़ से अधिक पर्यटक मध्य प्रदेश पहुंचे हैं, जिसने हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। दुनिया देखेगी सिंहस्थ-2028 का भव्य और दिव्य रूप मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 को भव्य और दिव्य के बनाने के लिए लगभग 730,000 करोड़ की लागत से व्यापक आधारभूत संरचना के विकास पर कार्य कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े आयोजन की तैयारियां कराना हम सभी का दायित्व है। सिंहस्थ-2028 को विश्वसि्थ बनाने के लिए सुनयोजित विकास के साथ व्यापक कार्ययोजना पर कार्य तेज गति से चल रहा है। 30 किलोमीटर तक लंबे घाटों का निर्माण हो रहा है। सिंहस्थ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को मां शिखा के पावन जल से स्नान का सौभाग्य प्राप्त होगा।

उज्जैन में श्री महाकाल लोक बनने के बाद बड़ी पर्यटकों की संख्या : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से 2 ज्योतिर्लिंग है। भारत का एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग उज्जैन में श्री महाकालेश्वर अपनी दिव्यता और अद्वितीय आध्यात्मिक महिमा के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। प्रतिदिन

प्रातःकाल होने वाली विश्वप्रसिद्ध भस्म आरती श्रद्धालुओं के लिए अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव है। उज्जैन में श्री महाकाल लोक बनने के बाद एक साल में लगभग 8 करोड़ लोग दर्शन कर चुके हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संपदा के कारण भारत का वास्तविक हृदय है। राज्य सरकार विश्वस्तरीय पर्यटन अधोसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, विरासत और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ निजी निवेश को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रदेश में इनको टूरिज्म को बढ़ावा देते हुए वैतुल जिले के काँफी वैली के नाम से प्रसिद्ध हिल स्टेशन ‘कुकरू’ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

निवेश और वैश्विक साझेदारी पर रणनीतिक चर्चा
कॉन्क्लेव में पर्यटन विभाग के सचिव एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. और मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री दिलीप कुमार यादव ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दूर ऑपरेटर्स तथा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन चर्चाओं में राज्य में निजी निवेश, हवाई संर्क के विस्तार, पर्यटन अवसरसंचना के विकास तथा मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना कॉन्क्लेव में आंध्र प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों ने अपने पर्यटन मॉडल और निवेश संभावनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। इस बहु-राज्यीय मंच पर मध्यप्रदेश के वाइल्डलाइफ टूरिज्म, हेरिटेज होमस्टे, आध्यात्मिक सर्किट और ग्रामीण पर्यटन जैसे नवाचार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनकी सराहना की।

दो दिवसीय ब्रह्मडू। कॉन्क्लेव-2026 ने राज्यों के बीच सहयोग, पर्यटन निवेश के नए अवसरों और भारत के पर्यटन इको सिस्टम को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया। मध्यप्रदेश की प्रभावशाली सहभागिता ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और निवेश की असीम संभावनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग के समग्र प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कॉन्क्लेव में अरुणाचल प्रदेश सरकार के पर्यटन, शिक्षा, ग्रामीण कार्य, संसदीय कार्य एवं पुस्तकालय मंत्री श्री पासांग दोर्जी सोना, आंध्र प्रदेश सरकार के पर्यटन, संस्कृति एवं सिनेमेटोग्राफी मंत्री श्री कंदुला द्रौण, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री हरि किशोर, फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉमिस्टेटिलिटी (FAITH) के चेयरपर्सन श्री पुनीत छवला, एड्वेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ATOAI) के प्रेसिडेंट श्री अजीत बजाज, , FAITH के संरक्षक (Patron) श्री नकुल आनंद, एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया (ADTOI) के चेयरमैन श्री वेद खन्ना, इंडियन एसोसिएशन ऑफ दूर ऑपरेटर्स (IATO) के प्रेसिडेंट श्री रवि गोसाईं तथा FAITH के सेक्रेटरी जनरल श्री राजीव मेहरा सहित FAITH से संबद्ध सभी 11 सदस्य संस्थाओं के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।